टेक्सटाइल मिरर

वस्त्र उद्योग का सटीक आईना

हिन्दी-अंग्रेजी पाक्षिक

DIGITAL EDITION SPONSOR BY

Jugg jugg jeeyo

Launching New Range of Full Stitch Ethnic Wear

Looking for Agents & Dealers Pan India

From The house of

Qmax WORLD®

SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY

Regd Office - K8, Shree Arihant Compound
Kahler Pipeline, Bhiwandi 421302

70586 75320

Info@juggjuggjeeyo.com

वस्त्र उद्योग का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार-पत्र
टेक्सटाइल मिरर
अखिल भारतीय संस्करण
पाक्षिक
Postal Regd. No.: Bhilwara/231/2021-2023
वर्ष : 11 अंक : 13 प्रकाशित : 1 सितम्बर, 2022 गुरूवार Editor : Govind Sharma स्थान : भीलवाड़ा पृष्ठ : 16 मूल्य : 20 रुपये

टेक्सटाइल उद्योग का विस्तार अगले 5-7 वर्षों में
250 अरब डॉलर करने का लक्ष्य

प्रवीण राणा / ब्यूरो चीफ

नई दिल्ली/ सरकार का लक्ष्य अगले 5-7 वर्षों में टेक्सटाइल उद्योग का विस्तार 250 अरब डॉलर करने का है जिसमें 100 अरब डॉलर कर निर्यात होगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अवसरों से ज्यादा चुनौतियों का मुकाबला करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय टेक्सटाइल उद्योग इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है लेकिन यह लक्ष्य किस तरह से प्राप्त होगा, इस बारे में कोई ठोस नीति सरकार के पास नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने दो दशक पूर्व निर्यात कोटा सिस्टम समाप्त होते वक्त नए अवसरों को प्राप्त करने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक राष्ट्रीय कपड़ा नीति 2000 जारी की थी जिसमें भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों की गुणवत्ता को सुधारने तथा नवाचार के लिए अनेक कदम उठाए थे जिसके बदौलत भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ और इनमें नवाचार भी हुए। देश में टेक्सटाइल प्रौद्योगिकी उन्नयन से भारतीय उत्पाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बने फिरभी भारतीय उत्पादों को नए अवसरों का उतना अपेक्षित लाभ तो नहीं मिला पाया जितना पड़ोसी देशों को मिला। राष्ट्रीय कपड़ा नीति 2000 में आज तक कोई संशोधन नहीं हुआ और पिछले कई वर्षों से नई राष्ट्रीय कपड़ा नीति जारी किए जाने की घोषणाएं अनेक बार हो चुकी है लेकिन अभी तक नई नीति नहीं आई है। पिछले दो साल के दौरान सरकार ने कपड़ा उद्योग में नया निवेश आकर्षित करने तथा इसका साईज बढ़ाने के लिए दीर्घकालीन उपाय पीएलआई और मेगा टेक्सटाइल पार्क की घोषणा की है लेकिन इस पर अमल होने तथा इसके परिणाम आने में समय लगेगा।

भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों का प्रमुख निर्यात बाजार यूरोपीय देश और अमेरिका हैं लेकिन अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में हमारे उत्पाद महंगे पड़ते हैं क्योंकि इन पड़ोसी देशों को शुल्क मुक्त निर्यात की सुविधा प्राप्त है जबकि भारतीय उत्पादों को यह सहुलियत नहीं है क्योंकि वर्षों की बातचीत के बाद भी भारत का यूरोपीय संघ के साथ अभी तक मुक्त व्यापार समझौता नहीं हो पाया है। यूरोपीय संघ के अलावा कनाडा, यूके, इजराइल आदि देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता होना बाकी है।

दूसरा अभी भी भारतीय टेक्सटाइल उद्योग टेक्नालॉजी में कई देशों के मुकाबले कमजोर है और टेक्सटाइल वेल्यू चेन में

(शेष पृष्ठ 12 पर)

कॉटन की नई फसल का भाव दोगुना खुला

मिरर ब्यूरो

नई दिल्ली/ वैश्विक उत्पादन कम होने के अनुमान से अगस्त में कॉटन के भाव पुनः तेजी से बढ़े हैं जबकि देश में बिजाई अधिक क्षेत्र में हुई है तथा नई फसल की आवक का श्रीगणेश भी समय से पहले हुआ है। इसके बावजूद हरियाणा एवं गुजरात में नई फसल पिछले सीजन के शुरुआत की तुलना में दोगुने भाव पर बिकी है। इस बार नई फसल समय से पहले आने लगी है। अमूमन नई फसल कॉटन अक्टूबर में आती है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा कॉटन उत्पादक देश है और विश्व भर की 40 प्रतिशत कॉटन भारत में पैदा होती है फिरभी देश में किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी एजेंसी के पास कॉटन के उत्पादन, खपत और स्टॉक के विश्वसनीय आंकड़े नहीं हैं। विभिन्न एजेंसियों द्वारा विरोधाभाषी आंकड़े पेश किए जाते हैं। ऐसे में अमेरिकी कृषि विभाग के आंकड़ों पर ही निर्भरता है।

अमेरिकी कृषि विभाग द्वारा वैश्विक उत्पादन कम होने के अनुमान से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पुनः तेजी आई है और अगस्त के दौरान देश में कॉटन के भाव तेजी से बढ़े है। कैरी फारवर्ड स्टॉक कम रहने तथा नई फसल को नुसकान की खबरों के बीच कॉटन के भाव पुनः नई ऊंचाई की ओर बढ़ रहे हैं।

हरियाणा एवं गुजरात में कॉटन की नई

(शेष पृष्ठ 12 पर)

रेडीमेड गारमेण्ट में फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी में सुधार

अपेक्षित बिक्री नहीं होने से व्यापारियों में उत्साह का अभाव

■ दिल्ली कपड़ा- प्रवीण राणा

अगले फेस्टीवल सीजन के लिए रेडीमेड गारमेण्ट की ग्राहकी में पहले की तुलना में सुधार हुआ है लेकिन बाजार में अपेक्षित बिक्री नहीं होने से व्यापारियों में उत्साह नहीं है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में दिसावरी ग्राहकों का आगमन भी कम है और खरीददारी भी सीमित हो रही है।

व्यापारियों के अनुसार फेस्टीवल सीजन के लिए पूर्वोत्तर के बाद एवं उत्तर भारत का व्यापारी खरीददारी के लिए आ रहा है लेकिन व्यापारियों के संख्या कम है और खरीददारी भी ज्यादा नहीं है। पश्चिमी बंगाल के बाद असम, बिहार, झारखंड सहित अन्य उत्तर भारतीय राज्यों से अभी ग्राहक खरीददारी के लिए आने लगे हैं लेकिन कारोबार का वोल्यूम कम है क्योंकि खरीददारी के लिए आने वाले व्यापारियों में वैसा उत्साह एवं जोश नहीं है, जैसा इन दिनों होना चाहिए था। दरअसल देशभर के खुदरा बाजारों में लम्बे समय से बिक्री कमजोर चल रही है जिससे पैसे की भारी तंगी है। अनिश्चितता के माहौल में व्यापारी का मनोबल दबा हुआ है।

व्यापारियों का कहना है कि इस बार सितम्बर आखिरी सप्ताह से नवरात्र आरंभ होंगे और दीपावली अक्टूबर में है इसलिए फेस्टीवल सीजन दशहरा-दीपावली के लिए सीजन की अवधि छोटी है। नवरात्र के लिए महीने भर का समय बचा है फिर भी बाजार में ग्राहकों का फुटफॉल बहुत कम है।

एसोसिएशन ऑफ होलसेल रेडीमेड गारमेण्ट डीलर्स, अशोक बाजार के अध्यक्ष श्री कंवल कुमार बल्ली के अनुसार आगे फेस्टीवल सीजन है लेकिन इस बार बहुत ज्यादा उत्साह नहीं दिख रहा है क्योंकि ग्राहकी का लम्बा मंदा होने की वजह से इस बार निर्माता-व्यापारी वित्तीय रूप से कमजोर पड़ गए हैं जिसकी वजह से अगले सीजन की तैयारी कम हुई है। सीजन अच्छा चलेगा, इसके आसार भी कम दिख रहे हैं। महंगाई के चलते आम आदमी की जेब में पैसा नहीं है। पिछली बार भी सीजन की शुरुआत अच्छी हुई थी लेकिन पूरा सीजन नहीं चल पाया। इसी अनिश्चितता के चलते इस बार व्यापारियों में उत्साह नहीं है।

स्पार्की ब्रांड के चेयरमेन श्री जे के जैन के अनुसार अगले फेस्टीवल सीजन के लिए व्यापारियों में उत्साह नहीं है। बाजार में हर व्यापारी के पास काम भी नहीं है। पैसे की तंगी है। पिछले कुछ वर्षों के देखने में आ रहा है कि दशहरा-दीपावली पर गारमेण्ट कम बिकता है। आम ग्राहकी डिस्काउंट सेल में गारमेण्ट खरीदना पसंद करता है। गारमेण्ट की लागत तो बहुत बढ़ चुकी है लेकिन कमजोर ग्राहकी की वजह से बिक्री भाव मात्र 15 प्रतिशत ही बढ़ पाए हैं। स्पार्की की डेनिम जींस, ट्राउजर एवं शर्ट की सम्पूर्ण रेंज में ग्राहकी निकली है।

जेन्ट्स में शर्ट, जींस-ट्राउजर, कुर्ता-पजामा एवं नाईट सूट आदि सभी तरह के गारमेण्ट में ग्राहकी निकली है। लेडीज ड्रेस में फैंसी गारमेण्ट के साथ रेग्यूलर गारमेण्ट प्लाजो सेट, कुर्ती-टॉप, टी-शर्ट एवं बॉटम वियर में भी ग्राहकी निकलने लगी है। अभी वूलन गारमेण्ट में ग्राहकी की शुरुआत नहीं हुई है।

संतोष ट्रेडिंग कम्पनी के संचालक श्री रोहित भंसाली के अनुसार फेस्टीवल की तुलना में लग्न के अवसर पर गारमेण्ट ज्यादा बिकता है। इस बार फेस्टीवल सीजन के लिए ग्राहकों का आगमन अपेक्षाकृत बहुत कम है। पूर्वोत्तर के बाद उत्तर भारत के ग्राहकी खरीददारी के लिए आने लगे हैं। ग्राहकी में सुधार हुआ है लेकिन अपेक्षित कारोबार नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि बाजार में पैसे की तंगी है क्योंकि दो महीने बिक्री ठप रही और भुगतान की चैन टूट गई जो पिछले दो साल से पूरी तरह से जुड़ नहीं पा रही है। बहरहाल संतोष ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा निर्मित शर्ट की पूरी रेंज में ग्राहकी बनी हुई है।

एस स्पार्कल शर्ट में प्लेन के साथ प्रिंट और चैक्स की 300/700 रुपए की रेंज में मांग निकली है। जूनियर शर्ट रेग्यूलर एवं फैंसी में 250/700 रुपए की रेंज में ग्राहकी है। संतोष ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा निर्मित व्हाईट कुर्ता-पजामा की जोरदार मांग है। इसके अलावा मान्यवर स्टाईल में फैंसी कुर्ता-पजामा में ग्राहकी निकली है। रेग्यूलर पेटर्न की मांग हमेशा बनी रहती है। कुर्ता-पजामा की 350/1000 रुपए की रेंज में मांग है।

रम्भा ड्रेसेज संचालक श्री सतीश पुनियानी के अनुसार फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी में सुधार हो रहा है फिरभी अपेक्षित कारोबार नहीं है। उत्तर भारतीय राज्यों की ग्राहकी निकली है। दक्षिण भारत का ग्राहक अभी तक नहीं आया है। कुर्ता-पजामा 450/700 रुपए की मीडियम रेंज और नाईटी गाउन की 265/325 तथा सेट की 300/500 रुपए की रेंज में ग्राहकी है। शेरवानी बड़ों की 950 रुपए एवं बच्चों की 700/850 रुपए की रेंज में ग्राहकी है।

लेडीज गारमेण्ट में फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी निकलने लगी है। जारजेट, सिल्क, रेयॉन, चंदेरी सिल्क एवं सिफोन तथा कॉटन से निर्मित प्लाजो सेट में ग्राहकी निकली है। लेडीज जींस, टी-शर्ट, लेगिंग्स, कुर्ती, सूट आदि में भी मांग निकली है। कॉटन एवं आयातित फैब्रिक्स से निर्मित फुल बाजू के टॉप एवं कॉटन कुर्ती में पूछपरख चल रही है।

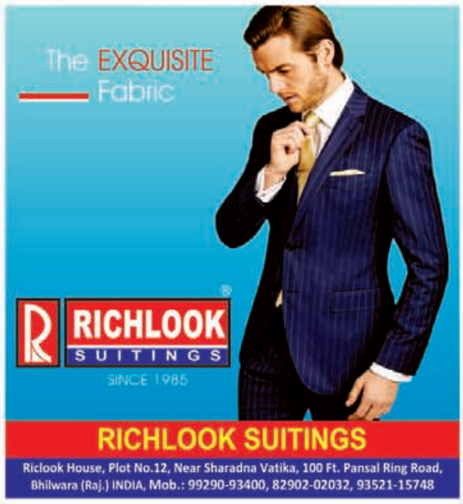

आशानुरुप ग्राहकी नहीं होने से व्यापारी चिन्तित

■ इंदौर- कमल बांझल

बाजारों की स्थिति सोचनीय है। व्यापारी वर्ग को आशानुकूल ग्राहकी ना होने से एक प्रकार से प्रश्न चिन्ह का अहसास हो रहा है। निर्माणकर्ता वर्ग की चाहना है कि माल अग्रिम भुगतान या नगद से बिके वह 20 दिन की उधारी भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। सक्षम व्यापारी हर जगह हर कोई नहीं है। ऐसी होलसेल मण्डियों का व्यापारी वर्ग सहुलियत चाहता है। मध्यम व निम्न लघु व्यापारी वर्ग पूर्ति नहीं कर पाता है। लाचार अवस्था एवं चिंतनीय स्थिति में है। आगामी सीजन में स्थिति का निर्माण क्या होता है उसी पर निर्भर है। लघु व्यवसायी व मध्य व्यवसायों के लिये संघर्ष का समय है। साउथ द्वारा निर्माण किये जा रहे हैं। सूती वस्त्रों में विगत 15-20 दिनों में 2 से 5 रूपये की भावों में कमी हुई है। अब व्यापारी कह रहा है कि भावों में 5 रूपये की वृद्धि होगी शर्टिंग के व्यापारी वर्ग से जो प्रोग्राम मिलता था उसमें भी सोचनीय अवस्था है। व्यापारी वर्ग चिंतित है कि ग्राहकी कैसी रहेगी क्षमतावान व्यापारी वर्ग ही व्यापार कर पायेगा। ऐसी स्थिति का निर्माण संभव है। जीएसटी के नियमों की समझ ना तो वकीलों को है। इस कारण से व्यापारी वर्ग त्रस्त है, सरकार को चाहिए कि इनका सरलीकरण कर व्यापारी वर्ग को सहुलियत दें।

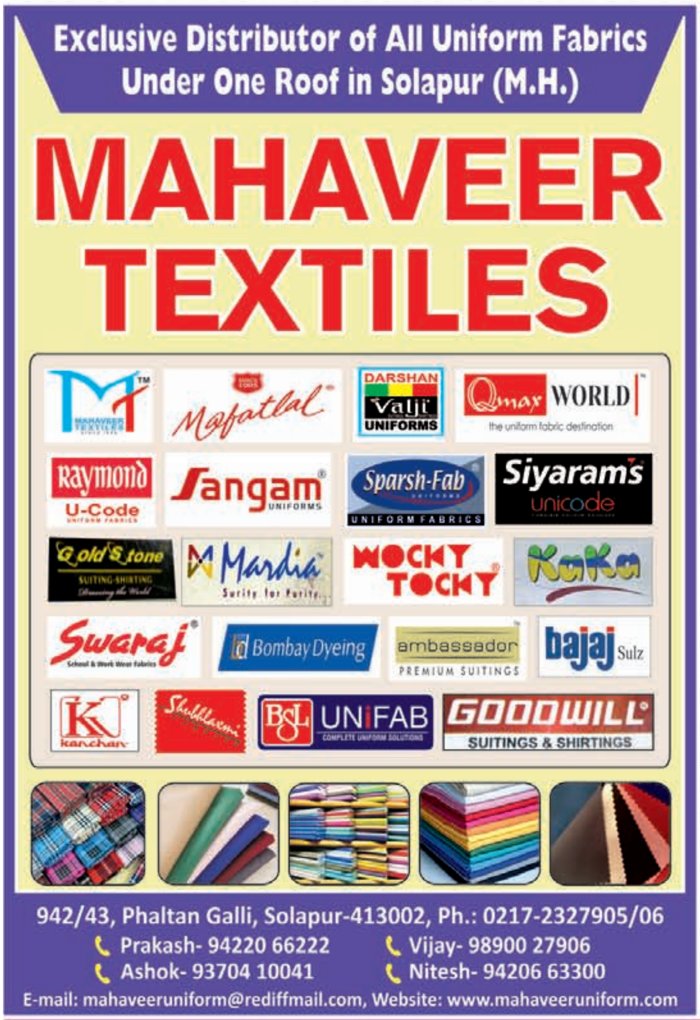

कच्चे माल का भाव घटने पर गारमेण्ट का उत्पादन खर्च कम होने की संभावना

गारमेण्ट इकाइयों के पास भरपूर ऑर्डर होने से कपड़ों की मांग बढ़ी

■ मुंबई गारमेण्ट- मिरर ब्यूरो

गारमेण्ट की रिटेल बिक्री शिथिल है। एण्ड ऑफ सीजन की अधिकृत सेल भी बंद हो चुकी है, फिर भी रिटेलर्स अंदर खाने अपने ग्राहकों को बनाए रखने के लिए थोड़ा बहुत डिस्काउंट ऑफर कर रहे है। गारमेण्टरों के पास सीजन के भरपूर ऑर्डर होने से इनकी कपड़ों की मांग बढ़ी है। गारमेण्टरों की कपड़ों की मांग देशी और आयाति दोनों तरह के सूटिंग और शर्टिंग में है। शर्टिंग में 58'' पना गारमेण्टरों के अधिक अनुकूल होने से इस तरह के कपड़ों की मांग अधिक है। तो दूसरी ओर रिटेलर्स के पास पुराना स्टॉक बिल्कुल नहीं रहा है। नये स्टॉक आ रहे है, उनके भाव बढ़े हुए हैं। इतना ही नहीं यदि आगे कपड़ों के भाव में और वृद्धि नहीं होती है, तो यह भाव वृद्धि आसानी से हजम हो सकती है। कोरोना महामारी के दो वर्ष टेक्सटाइल और क्लोदिंग के लिए अधिक परेशानी से भरे रहे हैं, परंतु अब संगठित क्षेत्र की रिटेल क्षेत्र में बिक्री कोरोना से पहले की बिक्री की तुलना में बढ़ी है। बड़ी रिटेल चैन में नई भर्ती की जा रही है। ब्रांडेड इकाइयां अपने ब्रांड को अधिक से अधिक रिटेल स्टोरों तक पहुंचाने के साथ ऐसे क्षेत्रों पर इनकी बिक्री बढ़ाने पर ध्यान देना शुरू कर दिया है, जो बाजार अभी तक अछूता रहा है। बिक्री में सुधार की अधिक संभावना भी इसलिए अधिक है कि अब देश में कोरोना के मामले कम हो रहे है और बाजारों में जाकर ग्राहकों को अपनी पसंद का स्टॉक खरीदने का मौका मिल रहा है तथा इस वर्शा देश में बारिश अच्छी होने से कपड़ों की ग्राहकी भी अच्छी रहने की संभावना है। बांग्लादेश का गारमेण्ट उद्योग चरमराने लगा है, उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के निर्यात में गारमेण्ट का 85 प्रतिशत के करीब योगदान है। इतना ही नहीं बांग्लादेश विदेशी आयातकों एवं बड़े रिटेल स्टोर्स चैन के लिए एक महत्वपूर्ण सप्लाई चैन माना जाता है। लेकिन बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के डांवाडोल होते ही इस उद्योग के सामने समस्याएं आ रही है। वहीं क्रिसिल रेटिंग एजेंसी के अनुसार इस वित्तवर्ष में टेक्सटाइल बिजनेस की तुलना में संगठित क्षेत्र के बड़े रिटेलर्स की वृद्धि दर 25 से 30 प्रतिशत के बीच रह सकती हैं, जबकि छोटे एवं मझोले रिटेलर्स की वृद्धि दर 10 से 15 प्रतिशत की होगी। रिटेल कंपनियों की परिचालन मार्जिन 1.75 से 2 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 से 8 प्रतिशत हो सकता है।

आगे त्यौहारों के साथ शादी समारोह की भारी ग्राहकी है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि घरेलू स्तर पर न केवल कपड़ों में नहीं, बल्कि गारमेण्ट में अच्छी ग्राहकी रहेगी। कॉटन टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल के चैयरमेन श्री मनोज कुमार पटौदिया का कहना है कि आगामी दशक में टेक्सटाइल उद्योग की वार्षिक विकास दर 12 से 20 प्रतिशत रहने की धारणा है। आगामी पांच से सात वर्षों में भारत के टेक्सटाइल उद्योग का कद बढ़कर 250 अरब डॉलर हो जाएगा तथा निर्यात के 100 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। क्रूड तेल का भाव घट रहा है, इससे सिंथेटिक यार्न के भाव घटने की उम्मीद है। कच्चे माल का भाव घटने पर उत्पादन खर्च कम होने की संभावना रहती है।

'बजाज फेब' के डीलर ने की रिटेल कॉन्फ्रेन्स

नई दिल्ली/ स्थानीय मार्केट की प्रमुख होलसेल इकाई 'शिव टेक्सटाइल' द्वारा गत दिनों कोजबेट (उत्तराखण्ड) में 2 दिवसीय रिटेल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेन्स में लगभग 80 रिटेलर्स ने भाग लिया एवं कंपनी द्वारा प्रदर्शित लेटेस्ट विण्टर कलेक्शन की प्रशंसा करते हुए अच्छी बुकिंग करायी।

इस दौरान डीलर श्री मुकुट लाल गुप्ता, श्री सुमित गुप्ता एवं बजाज फेब के डायरेक्टर श्री सुनील जिन्दल उपस्थित थे।

वर्ष-11 अंक-13

Editorial

मुफ्त की योजनाएं हो सकती देश के लिए घातक

देशभर में चुनावों के दौरान फ्री की वस्तुएं बांटने की चर्चा जोरों पर है अब इसका निर्णय सर्वोच्च न्यायालय पर छोड़ दिया गया है। राजनीतिक दल एक दूसरे की आलोचना कर रहे हैं और अपने निर्णयों की स्वप्रशंसा भी कर रहे हैं। दिल्ली के स्कूलों में निशुल्क चिकित्सा की सुविधाएं केजरीवाल सरकार ने दी है, लेकिन संसाधन जुटाने के लिए दिल्ली की सरकार ने शराब के लाइसेंस बढ़ाने व उसके माध्यम से अधिक धनराशि जुटाने का भी कार्य किया है। इस कार्य को उचित नहीं कहा जा सकता है। विद्युत में कुछ राहत गरीब तबको को दी जाती है तो इसका अच्छा संदेश अवश्य जाता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने शराब के माध्यम से अतिरिक्त धन राशि न जुटाकर राज्य के नागरिकों को अस्पतालों में निशुल्क औषधि वितरण व विद्युत के बिलों में अनुदान देने का कार्य सफलता के साथ किया है। कहने का मतलब स्पष्ट है कि अनुचित संसाधन जुटाकर कल्याणकारी कार्यों की आवश्यकता नहीं है। वरन् राष्ट्रीय नियामक तंत्र का पालन करते हुए राज्य सरकार अगर अपने संसाधन जुटाकर लोगों के कल्याण का कार्य करती है तो इसमें किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। केन्द्र सरकार भी लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों के माध्यम से धन खर्च कर रही है। जन-धन योजना के माध्यम से योजना का परिचालन किया जा रहा है।

केन्द्र ने कोविड-19 के दौरान देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करने के साथ 200 करोड़ निशुल्क टीके लगाने का भी कार्य किया है। यह प्रशंसनीय है और इसके लिए केन्द्र सरकार धन्यवाद की पात्र भी है, लेकिन सभी कार्य आवश्यकतानुसार व योग्य पात्रों के लिए ही किए जाने चाहिए। केन्द्र सरकार ने वंचितों के लिए नल से जल योजना की शुरूआत की है। यह स्वागत योग्य है और इससे करोड़ों ऐसे परिवारों को नल से जल का लाभ होगा, जो इसका कनेक्शन लेने के लिए क्षमता नहीं रखते हैं।

हाल ही दिल्ली के मंत्री मनीष सिसोदिया के विरूद्ध शराब आवंटन को लेकर सीबीआई की जांच शुरू हो गई है। केन्द्र सरकार ने केजरीवाल की शराब नीति को रेवड़ी/बेवड़ी नीति बताया है और आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर दिल्ली की शराब नीति उचित व जनविरोधी नहीं थी तो उसको दिल्ली सरकार ने वापस क्यों लिया है। लेकिन कोई भी कार्य अगर वित्तीय अनुशासन व लोककल्याण के लिए किया जाता है तो उसे केवल रेवड़ी की संज्ञा नहीं दी जा सकती है। कुल मिलाकर यदि कोई भी सरकारें ऐनकेन प्रकारेण सत्ता पर काबिज होने के लिए यदि मुफ्त की रेवड़िया बांटती है जिसका भार अपरोक्ष रूप से जनता पर ही आना है तो सर्वोच्च न्यायालय को निश्चित रूप से इस पर रोक लगा देनी चाहिए। या जो भी पार्टियां ये रेवड़ियां बांटना चाहती है तो उसका रिसोर्स एवं उससे पड़ने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभावों की भी चर्चा की जानी चाहिए। क्योंकि शिक्षा एवं चिकित्सा मुफ्त में दी जानी चाहिए लेकिन यदि उनका रिसोर्स अनैतिक है तो ऐसे मुफ्तीकरण को तुरन्त बंद कर देना चाहिए क्योंकि कई पड़ौसी देशों के बिगड़े हुए हालात हमारे सामने हैं।

पहले 'तिरंगा' फिर स्कूल यूनिफॉर्म और अब गणेशोत्सव पर 'मंडप क्लॉथ' बना सिल्क सिटी के लिए बूस्टर डोज

फेब्रिक्स के कमजोर कारोबार के बीच संजीवनी बन उभरे अन्य टेक्सटाइल्स उत्पाद

सूरत- गणपत भंसाली

सिल्क सिटी सूरत वैसे तो आर्ट सिल्क आधारित महिला उपयोगी साड़ियां, ड्रेस मटेरियल्स, लहंगा, वेश, ब्लाउज, सलवार, कुर्ता आदि लेडीज वियर के उत्पादक हब रूप में जाना जाता है। लेकिन सूरत का रिंग रोड़ व सारोली विस्तार अब फेब्रिक्स के साथ साथ टेक्सटाइल्स उद्योग से जुड़ी मल्टीपरपज क्वालिटियों के लिए ख्यातनाम है। देशभर में विशेष कर महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी के पर्व की बड़े उमंग के साथ मे तैयारियां हो रही है। वर्ष 2020 व 2021 में विश्वव्यापी कोरोना महामारी के भारत भर में पांव पसार देने से अन्य त्योहारों के साथ साथ गणेशोत्सव की उमंग फीकी-फीकी थी व एक वर्ष तो आयोजन पूर्णतया स्थगित रहे व गत वर्ष भी ये त्योहार विभिन्न सरकारी गाइडलाइन व पाबंदियों के बीच मनाया गया लेकिन इस वर्ष गणेश भक्तों का उत्साह परवान पर हैं व इस त्योहार को मनाने की व्यापक तैयारियां हो रही है। बताया जाता है कि अकेले मुम्बई में गणेश उत्सव मनाने वाले सार्वजनिक गणेश मंडलों की संख्या 12000 के करीब है और पुणे, नागपुर, अहमदनगर, औरंगाबाद, अकोला, अमरावती, कोल्हापुर, जालना, जलगांव, सतारा, सांगली, मिरज आदि शहरों व हजारों हजारों कस्बो के गणेश मंडलों की संख्या तो बहुत बड़ी तादाद में होगी। सूरत मंडप क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मानसी प्रिंट के प्रबन्धक श्री देवभाई संचेती के अनुसार वर्षों पूर्व सार्वजनिक गणेश मंडल किराए पर मंडप बनवाते थे जो कि उनके लिए महंगे पड़ते थे लेकिन मंडप क्लॉथ में सूरत के उत्पादकों ने नए क्रिएशन व नए नए कॉन्सेप्ट देकर गणेश भक्तों की राह आसान कर दी है व उनके लिए सस्ते, सुंदर, सुलभ व टिकाऊ मंडप अब रेडीमेड रूप में विकसित कर दिए है। श्री संचेती के अनुसार गणेशोत्सव मुम्बई सहित सम्पूर्ण महाराष्ट्र में बड़े व व्यापक पैमाने पर मनाया जाता है, साथ ही साथ गुजरात व मध्य प्रदेश व राजस्थान में भी गणेश चतुर्थी के आयोजन होते हैं जिसमें गुजरात की गणना तो महाराष्ट्र के बाद इस उत्सव को मनाने हेतु की जाती है। श्री देवभाई संचेती के अनुसार सूरत के मंडप उत्पादक 4×4, 5×5, 6×6 व 10×10 वर्ग फुट के लाइक्रा व ताइवान आधारित मंडप रेडीमेड रूप में तैयार करते है जो बहुत ही किफायती व सस्ते होते हैं ये मंडप किराया राशि से भी कम मूल्य में खरीदे जा सकते हैं और ये रेडीमेड मंडप क्रमश 1000, 1200, 1500 व 2500 रुपये मात्र में थोक दरों में बेचे जाते हैं खुदरा में ये मंडप 25 से 50 प्रतिशत मुनाफे में बेचे जाते हैं। मंडप उद्योग में अग्रणी उत्पादक के रूप में जाने जाते सागर ग्रुप के श्री अरविंद जीरावला के अनुसार सूरत में लगभग 150 मंडप क्लॉथ उत्पादक व ट्रेडर्स है। एक अनुमान के अनुसार गणेशोत्सव पर्व के अवसर पर सूरत के मंडप कारोबारी महाराष्ट्र व देशभर में इस सीजन में लगभग 100 करोड़ का कारोबार करते हैं। श्री अरविंद जीरावला ने बताया कि मंडप क्लॉथ वेल्यू एडेड व क्रिएटिव वर्क के साथ बिकता है। ज्यादा कर लाइक्रा ग्रे कपड़ा मंडप कपड़े की सामग्री है। ये उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर घर-घर तिरंगा अभियान के चलते सूरत में अल्ट्रा साटिन आदि आर्ट सिल्क कपड़े पर तिरंगा झंडे बड़ी तादाद में बने व बिके। न बल्कि तिरंगे अपितु तिरंगा रंग के लंबे-लंबे थान चौराहों आदि मुख्य स्थलों पर प्रदर्शित किए गए इससे सूरत में 150 से 200 करोड़ रुपये का तिरंगे का कारोबार हो गया। इससे पूर्व राजस्थान सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों के बच्चो को रेडीमेड स्कूल यूनिफॉर्म प्रदान करने की घोषणा से सूरत में 150 करोड़ से ज्यादा का स्कूली यूनिफॉर्म आधारित शर्टिंग की बिक्री हुई। निश्चित रूप से सूरत की पहचान अब आर्ट सिल्क साड़ियों, लहंगे, ब्लाउज, वेश, दुप्पटे के अलावा मंडप क्लॉथ, स्कूल यूनिफॉर्म, कॉरपरेट यूनिफॉर्म साड़ी, टेक्निकल टेक्सटाइल्स, झड़े, गले के खेस मफलर, देवी देवताओं के अंग वस्त्र, मास्क आदि कपड़ों की भी बन गई है। एक दृष्टि से फेब्रिक्स के कमजोर कारोबार के चलते मंडप क्लॉथ, स्कूल यूनिफॉर्म व तिरंगा झंडा ने कपड़ा बाजार में ऑक्सीजन का काम किया है।

टेक्सटाइल मिरर

हेड ऑफिस
'मिरर हाउस' डी-297/2,
पन्नाधाय सर्कल के पास, आजाद नगर
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मोबाइल : 9829085976
E-mail: textilemirror1@gmail.com

संस्थापक
श्री रामगोपाल शर्मा

प्रधान संपादक
गोविन्द नारायण शर्मा

मुंबई एसोसिएट
कीर्ति दवे

संपादकीय सलाहकार

श्री रमेश जी पोद्दार
सियाराम सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री राजेन्द्र जी अग्रवाल
मैनेजिंग डायरेक्टर
डोनियर इण्डस्ट्रीज, मुंबई

श्री जी.डी. राठी जी
एसजीएस सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री सुनील जी टिबरेवाल
क्यूमेक्स वर्ल्ड, मुंबई

श्री देवकीनंदन जी जिंदल
चैयरमेन, बजाज ग्रुप-मुंबई

श्री नरेश जी (मीनु) अग्रवाल
डायरेक्टर-चिनार सिन्टेक्स लि. (भिवानी)

श्री शरद जी टण्डन
एसटण्डन कंसल्टिंग, मुंबई

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक गोविन्द नारायण शर्मा द्वारा मिरर हाउस, डी-297/2, आजाद नगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित एवं रेनबो ऑफसेट प्रिण्टर्स, बी-3, सुदर्शनपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, जयपुर से मुद्रित।
संपादक-गोविन्द नारायण शर्मा,
फोन- 98290 85976
E-mail: textilemirror1@gmail.com

सभी विवादों हेतु न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा ही है।

N' Facino
fashion from italy

N'Facino ने की इन्दौर में सफल कॉन्फ्रेन्स

इन्दौर/ फैंसी सूटिंग-शर्टिंग एवं कुर्ता फैब्रिक के उभरते ब्राण्ड N'Facino की निर्माता कंपनी नवकार फेब टेक्स द्वारा 17-18, अगस्त 2022 को इन्दौर के लेमन ट्री होटल में सफल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। कंपनी के फाउण्डर श्री प्रीतेश सोनी एवं श्री राहुल शाह ने बताया कि आगामी सीजन को देखते हुए कंपनी द्वारा काफी नया कलेक्शन डिस्प्ले किया गया। उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा लॉन्च केटलॉग्स 'रीत-रश्म कुर्ता स्टोरी-22', 'रीत-रश्म कोट्टी कुर्ता स्टोरी-22','रीत-रश्म जोधपुरी कलेक्शन-22' एवं 'रीत-रश्म शेरवानी कलेक्शन-22' इत्यादि को बहुत अच्छा रिस्पोंस मिला। कंपनी द्वारा फैंसी सूटिंग, टीआर फैब्रिक, रिंकल फ्री शर्टिंग, 60 गीजा प्रिण्ट का भी डिस्प्ले किया गया था।

श्री सोनी के अनुसार कॉन्फ्रेन्स में आये सभी व्यापारियों ने नये डवलपमेण्ट्स को काफी सराहा एवं अच्छी बुकिंग भी दी। कंपनी पूरे देश में विस्तार की योजना बना रही है जिसके लिए सुदृढ़ एजेण्ट एवं डीलर कंपनी से सम्पर्क कर सकते हैं।

विदित रहे कि N'Facino 'नवकार फेब टेक्स' का रजिस्टर्ड ब्राण्ड है। कंपनी के पास स्वयं का पैकिंग हाउस है। इसके अलावा नवकार के पास मुम्बई के ब्राण्ड Vezziltro (हेवी टीआर कलेक्शन एवं प्रीमियम एथेनिक फैब्रिक) ब्राण्ड की गुजरात एवं मध्यप्रदेश हेतु डीलरशिप भी है।

फेस्टीवल सीजन के लिए ग्राहकी में मामूली सुधार

नए मालों की चालानी आरंभ

नवरात्रों से ही लौटेगी पूरी रौनक : पित्रपक्ष के दौरान थोक स्तर पर लेवाली बढ़ने की उम्मीद

■ दिल्ली कपड़ा- प्रवीण राणा

कपड़ा बाजार में आगामी फेस्टीवल एवं विंटर सीजन की ग्राहकी में मामूली सुधार हुआ है लेकिन व्यापारियों में उत्साह का अभाव है। यही कारण है कि इस बार दशहरा-दीपावली के त्योहार जल्दी है, फिर भी उस हिसाब से बाजार में अभी ग्राहकी नहीं है। उत्पादन केन्द्रों से बाजार में नए मालों की चालानी आरंभ हो चुकी है। व्यापारियों को उम्मीद है कि पित्रपक्ष के दौरान व्यापारी खरीददारी के लिए निकलेंगे। नवरात्रों से ही बाजार में पूरी रौनक लौटने की संभावना है।

फैब्रिक्स निर्माताओं ने फेस्टीवल सीजन के बुकिंग लेने में पूरा जोर लगाया है और अपने होलसेलर के साथ रिटेलरों से भी बुकिंग ली है। व्यापारियों के पास बुकिंग की चालानी हो रही है। कारोबार की कमजोर स्थिति को देखते हुए निर्माताओं कुछ खास नयापन नहीं दे पाए हैं।

पिछले दो साल कोरोना महामारी की वजह से महीनों कारोबार बंद रहा, उसका असर अभी भी कारोबार पर दिख रहा है। भुगतान की चैन अभी भी पूरी तरह जुड़ नहीं पाई है जिससे बाजार में पैसे की तंगी दिख रही है। इसके अलावा पिछले समर सीजन भी बहुत अच्छा नहीं गया। मई में ही ग्राहकी सिमटने तथा रिटेल स्तर पर बिक्री नहीं होने से भुगतान की आवक रुकी हुई है। बाजार में लम्बी अवधि से ग्राहकी का सन्नाटा है जिसकी वजह से कारोबारियों में अगले सीजन के लिए उतना उत्साह नहीं है।

सूटिंग-शर्टिंग की ग्राहकी में मामूली सुधार हुआ है। अभी बाजार में ग्राहकों की संख्या बहुत कम है। रेग्यूलर रंग-डिजाइन में ही काम हो रहा है। जिन डिजाइनों में खुदरा व्यापारियों को रिस्क लग रहा है, उनमें खरीददारी नहीं कर रहे है।

विंटर सीजन के लिए सूटिंग-शर्टिंग में वूलन, सिंथेटिक एवं कॉटन में नए मालों की चालानी आरंभ हो चुकी है लेकिन अभी उठाव बहुत धीमा है। अधिकांश खुदरा व्यापारियों के पास बुकिंग का माल पहुंच रहा है इसलिए बाजार में आम ग्राहकी में अभी बहुत मामूली सुधार हुआ है। इस बार सितम्बर आखिर से नवरात्र आरंभ होंगे, इस दौरान बाजार में रौनक लौटने की उम्मीद है। पित्रपक्ष के दौरान खुदरा व्यापारी खरीददारी के लिए आएंगे, ऐसी संभावना है।

कॉटन सूटिंग-शर्टिंग एवं डेनिम में अरविंद मिल के नए रंग-डिजाइनों की विस्तृत रेंज की चालानी आरंभ हो चुकी है। अरविंद मिल के एजेंट श्री हंसराज गौतम के अनुसार ग्राहकी में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। व्यापारी अगले सीजन को लेकर आशावान है। इसी उम्मीद में अच्छी बुकिंग भी हुई है।

वेलवेट होम के श्री दीपक गुप्ता के अनुसार बाजार में थोड़ी ग्राहकी निकली है। नए मालों की चालानी हो रही है। रेग्यूलर डिजाइनों के अलावा स्ट्राइप की मांग है। शर्टिंग में अभी प्लेन एवं सेल्फ डिजाइन ही चल रहे हैं। वूलन सूटिंग में यूनिफॉर्म में पूछपरख है।

जैन ब्रदर्स के श्री मोहित जैन के अनुसार अभी बहुत मामूली ग्राहकी है। अभी रेग्यूलर रंग-डिजाइन ही चल रहे हैं। मिलों से नए माल की चालानी हो रही है और अधिकांश रिटेलरों को बुकिंग का माल जा रहा है इसलिए बाजार में आम ग्राहकी कम है। टीआर प्लेन, सेल्फ एवं चैक्स की मांग है।

ड्रेस एवं ब्लाउज मटेरियल- में ग्राहकी कमजोर बनी हुई है। व्यापारी अगले सीजन की ग्राहकी निकलने का इंतजार कर रहे हैं। कॉटन, कॉटन यार्न एवं कॉटन फैब्रिक्स के भाव में उठापटक चल रही है। विगत में भाव कुछ घटे थे लेकिन कॉटन की फसल को अधिक वर्षा की वजह से नुकसान की खबर से भाव वापिस तेजी से बढ़े हैं।

अभी तक बाजार में मोटे मालों की चालानी नहीं हुई है। फेस्टीवल सीजन के लिए चुनिंदा निर्माताओं ने नए पेटर्न बनाए हैं लेकिन भाव ऊंचे होने की वजह से व्यापारियों ने अभी नया माल नहीं पकड़ा है। अभी कॉटन, साटन, रेयॉन एवं बिजीलिजी की चल रहा है।

नारायण ट्रेडिंग कम्पनी के श्री धनप्रकाश गुप्ता के अनुसार अभी काम ढीला है। श्राद्धों में खुदरा व्यापारियों की मांग निकलने की उम्मीद है। अगला फेस्टीवल सीजन दशहरा-दीपावली नजदीक आ रहा है लेकिन अभी व्यापारियों में उत्साह नहीं है। भुगतान नहीं आने से पैसे की तंगी बनी हुई है।

पोपलीन रंगीन एवं व्हाइट गुडस कुर्ता फैब्रिक्स, लॉन आदि में अभी ग्राहकी कमजोर है। ब्लाउज मटेरियल टू बाई टू में मामूली ग्राहकी है। फैंसी में भी ग्राहकी कमजोर बनी हुई है।

साड़ियों की तैयारी में विलम्ब- साड़ियों में अभी तक ग्राहकी नहीं निकली है। लम्बा मंदा होने से व्यापारियों का मनोबल कमजोर है इसलिए अगले सीजन के लिए अभी तक कोई खास तैयारी भी नहीं है। व्यापारियों के अनुसार पित्र पक्ष के दौरान व्यापारी खरीददारी के लिए उत्पादन केन्द्रों पर जाएंगे। बाजार में उधारी में माल देने से व्यापारी बच रहे हैं। नगद में अभी कोई काम नहीं है। विंटर सीजन के लिए अभी ग्राहकी नहीं है। इस बार नवरात्र सितम्बर के आखिर में हैं फिर भी अभी तक बाजार में कोई मूवमेंट नहीं है। व्यापारियों का कहना है कि ढाई-तीन महीने से कोई काम नहीं हो रहा है। पिछले सीजन में भी अपेक्षित काम नहीं हुआ और सीजन समय से पहले ही सिमट गया। इस वजह से व्यापारियों में जोश नहीं है।

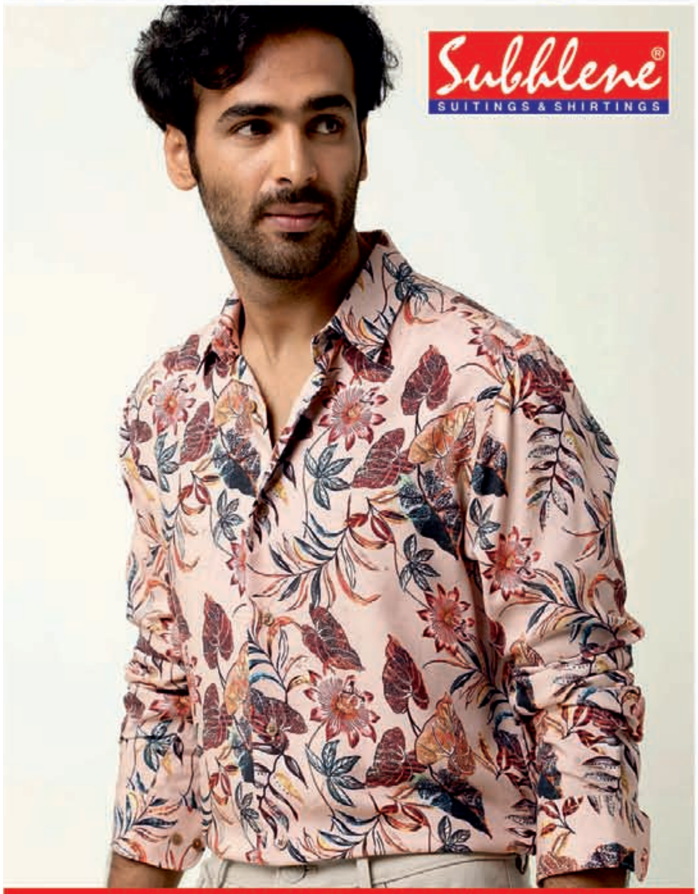

SUBHLENE SYNTHETICS (INDIA) PVT. LTD.

Jaihind Estate Building No. 1-A, 1st Floor,
Block No. 8, Dr. Atmaram Merchant Road,
Bhuleshwar, Mumbai - 400002, Maharashtra, India.

+91 22-22079371
info@subhlene.com

FOR TRADE/CORPORATE ENQUIRIES | Bhanwarlal Singhi +91 93222 44360, Rahul Singhi +91 98334 42666.

चेम्बर के 'यार्न एक्सपो–2022' में एग्जीबिटर्स द्वारा 650 करोड़ रूपये से अधिक का कारोबार करने की संभावना

इस वर्ष देशभर के बुनकरों के साथ–साथ व्यापारी व फुटकर विक्रेता भी यार्न एक्सपो में पहुंचे

एग्जीबिटर्स को नए सत्र में कारोबार में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की उम्मीद – श्री हिमांशु बोडावाला

सूरत/दक्षिण गुजरात चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिण गुजरात चेम्बर ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट सेंटर की पहल के तहत, सरसाना में सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 'यार्न एक्सपो- 2022' से व्यापार उत्पन्न होने की उम्मीद है व इस एक्सपो की वजह से अगले छह माह में 650 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार पनपने की संभावना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीन दिनों के एक्सपो में कुल 15400 हजार से अधिक खरीददारों ने दौरा किया व वहां लगे विभिन्न स्टालों पर यार्न की विभिन्न किस्मों का मुआयना किया व अपनी पसंद की यार्न किस्मों के ऑर्डर दिए। वर्ष 2023 में 4 से 6 अगस्त को आयोजित यार्न एक्सपो के पांचवे संस्करण में प्रदर्शकों के लिए अच्छे व्यवसाय की प्रबल संभावना के कारण देशभर के यार्न निर्माताओं ने बुकिंग के लिए अपनी तैयारी पहले ही दिखा दी है।

चेम्बर के अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला ने कहा कि कपड़ा उद्योग को केंद्रीय परिधान मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर का बाजार लक्ष्य दिया गया है, जिसे हासिल करने के लिए ऐसे एक्सपो प्रभावी साबित होंगे। वीविंग व निटिंग इंडस्ट्रीज के उद्योगपतियों ने यार्न एक्सपो में पोलिएस्टर, नायलॉन, विस्कोस, कॉटन और केटोनिक यार्न जैसे यार्न की विभिन्न किस्मों के साथ-साथ विशेष प्रकार के यार्न जैसे एंटीबैक्टीरियल यार्न (जीवाणुरोधी यार्न) इमिटेट यार्न, सिल्क यार्न, ग्रेनाइट यार्न, सिरो इम्पैक्ट यार्न , हेम्प यार्न, फ्लेक्स यार्न, वूल लाइक पोलिएस्टर यार्न, कॉटन स्ट्रेच यार्न, रिसायकल यार्न, इको गोल्ड बायो डिग्रिडबल यार्न, स्पोर्ट्स वेयर उपयोगी कुल टेक्स्ट यार्न व फायर रिटर्डन्ट यार्न आदि किस्मो के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई।

विशेष रूप से फैंसी जरी और स्पेशियल यार्न के लिए बहुत सारी पूछताछ नजर आई। इस वर्ष यार्न एक्सपो में बुनकरों के साथ कपड़ा बाजार के कई व्यापारी व फुटकर विक्रेता भी पहुंचे। इसके अलावा गारमेण्ट मैन्युफेक्चर्स ने भी यार्न के विभिन्न स्टालों का भी दौरा किया। अब वे यार्न निर्माताओं से सेम्पल मंगवाएंगे और नए फेब्रिक्स डेवलप करेंगे। इन यार्न किस्मों के सेम्पल लेकर निकट भविष्य में सूरत में विभिन्न प्रकार के नए कपड़े और नए क्रियेशन्स का विकास किया जाएगा। इस सूत से स्पोर्ट्स में प्रयोग होने वाले फंक्शन गारमेण्ट्स का डेवलप भी सूरत से किया जाएगा। यह क्रिएशन कपड़े के निर्यात में बढ़ोतरी की जनक बनेगी। प्रदर्शकों को नए सत्र में कारोबार में 10 प्रतिशत से अधिक की वृं की उम्मीद है और संभावना है कि वे अगले छह महीनों में 650 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करेंगे।

इस बीच, इंडोनेशिया के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत अगस सप्तोनो और आर्थिक महावाणिज्यदूत तोल्हा उबेदी ने यार्न एक्सपो का दौरा किया और विभिन्न यार्न के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। तीन दिनों के दौरान, अल्जीरिया, मिस्र, सूडान के वास्तविक खरीदारों ने भी यार्न एक्सपो का दौरा किया। इसके अलावा देशभर से बुनकरों और व्यापारियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। जिसमें पहले दिन 3,400 खरीदार, दूसरे दिन 7,200 और अंतिम तीसरे दिन 4,800 खरीदार प्राप्त हुए। कुल 15,400 खरीदारों ने प्रदर्शनी का दौरा किया और प्रदर्शकों को ढेर सारे ऑर्डर दिए। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विभिन्न प्रकार के धागों जैसे पोलिएस्टर, नायलोन, विस्कोस, कॉटन और केटोनिक यार्न के साथ-साथ विशेष प्रकार के सूत जैसे एंटीबैक्टीरियल यार्न, इमिटेट सिल्क यार्न, सिरो इम्पैक्ट यार्न, ग्रेनाइट यार्न, फ्लेक्स यार्न, वूल लाइक पोलिएस्टर यार्न, कॉटन स्ट्रेच यार्न, रिसायकल यार्न, इको गोल्ड बायो डिग्रेडेबल यार्न, स्पोर्ट्स वियर के लिए कुल टेक्स्ट यार्न और अग्निरोधी यार्न आदि का प्रदर्शन किया गया।

Subhlene® SUITINGS & SHIRTINGS की सभी कॉन्फ्रेन्सेज रही जोरदार

व्यापारियों ने कराई शानदार बुकिंग

कोलकाता/प्रतिष्ठित सूटिंग-शर्टिंग ब्राण्ड शुभलीन द्वारा पूजा के सीजन को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल में अपनी डीलर्स एवं रिटेल कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन किया गया। कम्पनी के डायरेक्टर श्री राहुल सिंघी ने बताया कि इस वर्ष कम्पनी द्वारा काफी नए डेवलपमेंट पेश किए हैं तथा विशेष तौर पर पश्चिम बंगाल के त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए डीलर्स एवं रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जहां कम्पनी को भरपूर सफलता मिली।

श्री सिंघी ने बताया की शुभलीन सिंथेटिक्स द्वारा अपने डीलर्स के नेतृत्व में इन कॉन्फ्रेंसों का आयोजन किया गया जहां सूटिंग, फैंसी शर्टिंग, पीवी कॉटन, लिनन, स्ट्राइप्स, चेक्स एवं प्रिंट के साथ कॉम्बो पैकिंग का भव्य डिस्प्ले किया गया, जो व्यापारियों को काफी पसंद आया। व्यापारियों ने इन सभी उत्पादों की जबरदस्त बुकिंग भी कराई।

डीलर्स कॉन्फ्रेंस-कम्पनी द्वारा 18 से 21 जुलाई 2022 को कोलकाता में डीलर्स कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन किया गया, जहां उपस्थित सभी डीलर्स ने शुभलीन के सभी उत्पादों की भरपूर प्रशंसा करते हुए अच्छी बुकिंग भी कराई।

रिटेल कॉन्फ्रेंस-कम्पनी द्वारा पूजा के सीजन को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष कोलकाता में अपने डीलर्स के तत्वाधान में रिटेल कॉन्फ्रेंस पर फोकस कर रही है, जिसमें उन्हें काफी सफलता मिली है। कम्पनी द्वारा 14 जुलाई को बांकुड़ा में रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें कम्पनी के स्थानीय डीलर श्रीराम सिंथेटिक्स के मालिक श्री रवि सुरेखा एवं श्री पवन सुरेखा ने सभी रिटलेर्स को शुभलीन की रेंज के बारे में जानकारी दी व सभी रिटेलर्स ने अच्छी बुकिंग कराई। कम्पनी द्वारा 1 व 2 अगस्त 2022 के स्थानीय डीलर श्री जुगल किशोर मूंदड़ा के नेतृत्व में भी कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जो काफी सफल रही। 3 व 4 अगस्त 2022 को स्थानीय डीलर अनमोल सिंथेटिक्स कोलकाता के तत्वावधान में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। अनमोल सिंथेटिक्स के मालिक श्री प्रदीप सरावगी एवं श्री अनमोल सरावगी ने सभी रिटेलर्स का स्वागत किया एवं उपस्थित रिटेलर्स ने कम्पनी के उत्पादों की बुकिंग कराई।

सीनीय एजेंट का मिला भरपूर सहयोग- जहां कम्पनी की पूरी टीम उत्साह से भरपूर नजर आई, वहीं कम्पनी के स्थानीय एजेंट हिंद टेक्सटाइल के संचालक श्री गौतम झुनझुनवाला ने सभी रिटेलर्स को शुभलीन के नए डेवलपमेंट के बारे में बताते हुए उन्हें हमेशा शुभलीन के साथ जुड़े रहने हेतु धन्यवाद दिया।

FOR TRADE ENQUIRY CONTACT

SHIVANI CLOTHING "A" Shreeji Bldg., Ist Floor, Mitali Complex, Munisurat Compound, Bhiwandi, Thane - 421302, Maharashtra

+91 88053 40131 shivaniclothing@gmail.com

'नितिन स्पिनर्स' को मिले एक्सपोर्ट अवॉर्ड

भीलवाड़ा/ कॉटन टेक्सटाइल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउन्सिल (टेक्सप्रोसिल) की ओर से मुम्बई में आयोजित एक्सपोर्ट अवॉर्ड कार्यक्रम टेक्सटाइल सचिव श्री उपेन्द्र प्रसाद व टेक्सटाइल आयुक्त श्रीमती रूपराशि की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। स्थानीय कॉटन यार्न निर्माता कंपनी नितिन स्पिनर्स को एक्सपोर्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2020-21 में कॉटन यार्न एवं कॉटन फैब्रिक दोनों श्रेणी में गोल्ड ट्रॉफी प्रदान की गई। ये दोनों एक्सपोर्ट अवॉर्ड कंपनी के ज्वॉइण्ट मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नितिन नौलखा ने प्राप्त किये। विदित रहे कंपनी कॉटन यार्न एवं कॉटन फैब्रिक के निर्यात में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई बार सम्मानित हो चुकी है एवं कंपनी अपने उत्पाद 60 से अधिक देशा में निर्यात कर रही है।

Sangam SUITINGS YOU ARE WHAT YOU WEAR द्वारा भव्य रिटेल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन

भीलवाड़ा/ प्रख्यात सूटिंग फैब्रिक निर्माता कम्पनी 'संगम इण्डिया लिमिटेड' के फैब्रिक डिविजन द्वारा हाल ही में लोनावला के 'डिवाटेल ग्रैंड रिसोर्ट' में 22 से 27 जुलाई तक भव्य रिटेल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। कम्पनी के मार्केटिंग वाईस प्रेसीडेण्ट श्री महेश लाखोटिया ने बताया कि 6 दिवसीय कॉन्फ्रेन्स में राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं कर्नाटक के डीलर्स ने अपने रिटेलर्स के साथ कॉन्फ्रेन्स में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उन्होंने बताया कि इस इस दौरान फैन्सी सूटिंग फैब्रिक के नये डवलपमेण्ट का प्रदर्शन किया गया जिसे व्यापारियों द्वारा काफी सराहा गया। आगामी त्यौहारी सीजन को देखते हुए व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक अच्छी बुकिंग करायी।

मार्केटिंग मैनेजर श्री दिनेश जागेटिया ने बताया कि अपने कस्टमर्स की डिमाण्ड को ध्यान में रखते हुए उन्हें सही एवं बेहतर प्रोडक्ट देने के प्रति हम प्रतिबद्ध है। जिससे व्यापारी और हमारे मध्य समन्वय बना रहे और व्यापार सफलता की ओर अग्रसर होता रहे।

कॉन्फ्रेन्स के दौरान मिल प्रतिनिधि श्री औंकार सिंह राणावत, श्री विनोद रैकवार, श्री अमित लाठी, श्री विनोद छीपा उपस्थित रहे।

come home to Siyaram's द्वारा आयोजित 'ऑल इण्डिया डीलर्स कॉन्फ्रेन्स' रही शानदार

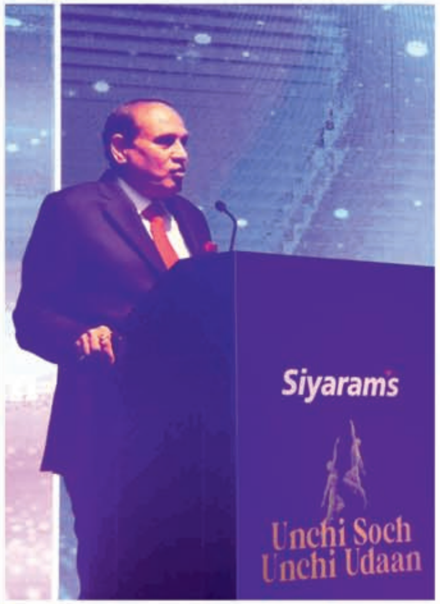

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले होलसेलर्स को किया सम्मानित

मुम्बई/ देश की सुप्रसिद्ध टेक्सटाइल कंपनी '**सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड**' आज टेक्सटाइल पटल पर किसी परिचय की मोहताज नहीं है। सम्पूर्ण भारत का ऐसा कोई शहर एवं कस्बा नहीं होगा जहां **सियाराम** ब्राण्ड उपलब्ध नहीं हो। इसी प्रकार की सफलता की कहानी बयां करने वाले '**सियाराम**' ब्राण्ड द्वारा हाल ही में मुम्बई से सेण्ट रेजिस होटल में '**ऑल इण्डिया डीलर्स कॉन्फ्रेन्स**' का आयोजन किया गया। 12 से 17 अगस्त 2022 तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेन्स में सूटिंग में COLE, ROZETTI एवं शर्टिंग में CHARM नामक ब्राण्ड लॉन्च किये गये।

इस दौरान कंपनी के **सीएमडी श्री रमेश पोद्दार** ने कहा कि हमारा प्रयास हमेशा बाजार में कुछ नया देने का रहता है जिसके चलते हम हर वर्ष कई नये प्रोडक्ट एवं ट्रेण्ड लॉन्च करते हैं, जिसका बाजार द्वारा अनुसरण किया जाता है। मेरा यह मानना है कि आप सभी को परचेजिंग एवं प्लानिंग पर विशेष फोकस करना चाहिए क्योंकि जब तक आप कुछ नया और अच्छा नहीं खरीदेंगे तब तक बाजार को अच्छा नहीं दे पायेंगे। उन्होंने कहा आगे हम और नयी टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए नये-नये प्रोडक्ट लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।

COLE- इस ब्राण्ड के अन्तर्गत कंपनी ने जापानी ब्लेक कलर की विशेष रेंज लॉन्च की है जो ब्लेक कलर की फैब्रिक पसंद करने वाले उपभोक्ताओं को दिवाना बना देगी

ROZETTI- यह फाइबर डाइड टीआर सूटिंग की प्रीमियम रेंज है।

CHARM- यह बड़े पने की प्रीमीयम पीसी शर्टिंग है जो अपनी क्वालिटी एवं आकर्षक डिजाइनों से उपभोक्ताओं पर जादुई प्रभाव डालेगी।

अवॉर्ड सेरेमनी- कंपनी द्वारा आयोजित अवॉर्ड सेरेमनी बहुत ही आकर्षण का केन्द्र रही। इस दौरान कंपनी द्वारा प्रोडक्ट वाइज एवं जोन वाइज सर्वाधिक सेल देने वाले डीलर्स को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

डीलर्स के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस- 15 अगस्त 2022 का दिन सियाराम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। इस दिन सम्पूर्ण भारत के डीलर्स एवं एजेण्ट्स की उपस्थिति में कंपनी के सीएमडी श्री रमेश पोद्दार ने ध्वजारोहण करते हुए आजादी का अमृत महोत्सव मनाया।

कॉन्फ्रेन्स के दौरान कंपनी की डायरेक्टर श्रीमती आशा पोद्दार, श्री अशोक टोरका (प्रेसीडेण्ट मार्केटिंग) सहित समस्त मार्केटिंग एवं जोनल टीम उपस्थित थी।

KOTLEE की होलसेल कॉन्फ्रेन्स रही शानदार

KOTLEE
FINEST RICH FABRICS

नया ब्राण्ड CADENCE LONDON किया लॉन्च

मुम्बई/ प्रख्यात कॉटन एवं लिनन शर्टिंग फेब्रिक निर्माता कंपनी 'कोटली क्रिएशन प्रा.लि.' ने गत दिनों हैदराबाद में 'डीलर्स कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन होटल रेडीसन ब्ल्यू के 'बंजारा हिल्स' में किया। इस कॉन्फ्रेन्स में तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश, तलिनाडु के सभी डीलर्स ने भाग लिया।

प्रोडक्ट डिस्प्ले- इस दौरान कंपनी द्वारा आगामी सीजन को देखते हुए बहुत ही उम्दा नये डवलपमेण्ट पेश किये। जिसमें शर्टिंग में 100 प्रतिशत कॉटन, गीजा कॉटन, लिनन इत्यादि के विभिन्न डिजाइन शामिल है। इसके साथ ही सूटिंग में पीवी, टीआर फैब्रिक की प्रीमियम रेंज का भी डिस्प्ले किया गया।

नया ब्राण्ड 'केडेन्स' लॉन्च- कंपनी के एमडी श्री सुशील जैन ने बताया कि मार्केट में एथेनिक फैब्रिक की बढ़ती डिमाण्ड को देखते हुए हमने कॉन्फ्रेन्स में 'केडेन्स' के नाम से नया ब्राण्ड लॉन्च किया। इस ब्राण्ड के अन्तर्गत एथेनिक, डिजिटल जेकार्ड बूटा, प्लेन गीजा, डिजिटल प्रिण्ट की हेवी प्रीमियम रेंज का प्रदर्शन किया गया। सभी क्वालिटियां व्यापारियों को बहुत पसंद आयी और शानदार बुकिंग करायी। आगामी दिनों में इस ब्राण्ड में कंपनी और विशाल रेंज को बाजार में पेश करेगी।

अवॉर्ड दिये गये- इस दौरान कंपनी द्वारा वर्ष-2021-22 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले डीलर्स को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। जिससे नेटवर्क में काफी उत्साह देखा गया एवं वर्तमान में वित्तीय वर्ष में बहुत अच्छा काम करने की आशा व्यक्त की गयी।

विदित रहे कि कंपनी का सबसे स्ट्रॉन्ग प्वॉइण्ट है उसके प्रीमियम प्रोडक्ट। एक बार जिस मार्केट में व्यापारी के पास 'कोटली' के प्रोडक्ट डिस्प्ले हो जाते हैं तो ग्राहक खुद-ब-खुद उसकी ओर आकर्षित हो जाता है, यही वजह है कि यह ब्राण्ड पूरे देश में बहुत तेजी से स्थापित होता जा रहा है।

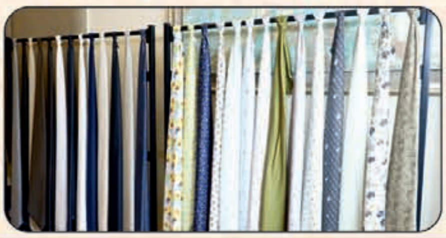

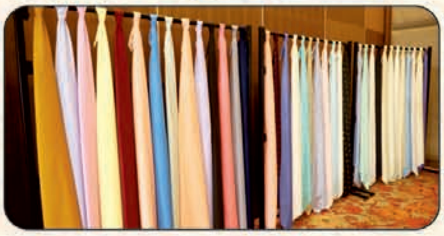
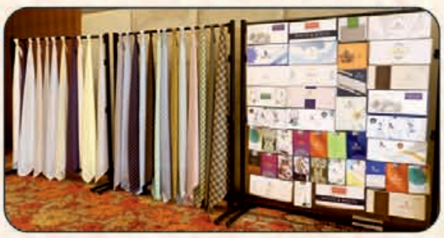

TEXTILE RETAILERS WELL PREPARED FOR THE FESTIVAL SEASON!
- S.V. FABRICS, HYDERABAD

S.V. GROUP
HYDERABAD

SV Fabrics, a division of the SV Group in Hyderabad, held major festive season conferences in Jaipur. SV Fabrics also held a Festive Season-regional conference in Bangalore and Chennai due to popular demand. The Bangalore bookings were completed on the 19th of August at the Hotel Holiday Inn, Race Course Road, and the Chennai bookings on the 22nd of August at the Taj Coromandel Hotel.

All major textile retailers in Karnataka and Tamil Nadu took part and expressed their appreciation for SV Fabrics' festive season collection. The event was a huge success, with over 100+ textile retailers participating for festive season bookings.

SV Fabrics is a 65-year-old textile industry veteran that serves over 2000+ retailers in South India. Raymonds, Raymonds Linen, Arvind Florence, Ruby Gold, Evita, Siyarams, Sammaan, Gini & Gini Elite are all solely distributed by the SV Group. We also sell brand-specific cuts, short lengths, and gift combo packs.

Raymond Linen — 100% Pure linen shirting & Suiting

Raymond Fine Fabrics, Since 1925 — Exclusive Monopoly Suiting in PV & PW

Arvind — 100% Premium Cotton Shirting

Ruby Gold — Purest of Wites, Exquisite Dyes, Prints & Designs

Sammaan, Exclusive Shirting — a premium shirting brand

Gini Elite, Premium Shirting — exclusive monopoly premium shirting

Evita Bamboo Fabric By Siyarams — The softest fabric on the planet

Fashion Flair Italy, Premium Suitings — Collection of Premium TR Suiting brand made in Italy

Zaccari Italy, Luxury Suitings — Collection of Luxury wool suiting brand made in Italy

Benzzi Blended Fabrics — Exclusive Blended Fabrics with a wide variety and choice

Donzito Premium Shirtings — Exclusive range of fashionable prints

Mimoto Italy, Finest Giza Shirtings — Corporate collection of Giza Cotton Shirting made in Italy

Rajasya The Ethnic Collection — The Ethnic Collection for festivals and weddings

Contact us at svfabric@gmail.com to get ready for the upcoming season and stay up to date on the latest fabric trends.

In advance, Team SV Fabrics wish all readers a successful festive season.

Specialist in Polyester Textured Yarn and Knitting Fabrics

VINAYAK CLOTHINGS PRIVATE LIMITED

Dealing in
* Texturised & Twisted Yarn and Knitted Fabrics
* Polyester Spun Yarn
* Polyester Viscose Yarn

F-73, A-wing, 1st Floor, Express Zone Mall, Near Patel Vatika, Off. Western Express Highway, Malad (East), Mumbai-400097
For Trade Enquiries : +91 9920099202, E-mail: info@vcpl.co.in

रूई की कमी से कॉटन यार्न का उत्पादन घटा, लेकिन मांग बढ़ी

कॉटन यार्न में भारी तेजी की आशंका

■ मुंबई कॉटन- मिरर ब्यूरो

कॉटन यार्न की बढ़ती मांग, रूई की तंगी तथा दिनों-दिन टाइट हो रही स्थिति को देखते हुए कॉटन यार्न का उत्पादन और अधिक कम होने की संभावना के बीच आगामी दिनों में यार्न के भाव अधिक बढ़ सकते हैं। अभी कॉटन यार्न में भाव वृद्धि संतुलित हैं। ऐसे यार्न के भाव बढ़ने शुरू हुए हैं, जिनकी मार्केट में मांग अधिक है। बाजार सूत्रों का कहना है कि रूई की आपूर्ति फिलहाल ठीक नहीं है और मिलों को जरूरी रूई के संकट के कारण यार्न मिलों की हालत पतली है। मिलें अब ऐसे यार्न का उत्पादन करने पर जोर दे रही है जिसमें रूई की खपत कम हो, बावजूद मिलों को रूई का भरपूर स्टॉक नहीं मिलने से मिलों में आधे से कम क्षमता पर यार्न का उत्पादन हो रहा है।

रूई और काटन यार्न के बढ़ने से ग्रे सूती कपड़ों के भाव जरूर बढ़े, लेकिन ऊंचे भाव पर लेवाली अभी रूकी हुई है। कॉटन यार्न के भाव फिर बढ़ने से वीवर्स चिंतित और उलझन में है, कारण कि इन दिनों भिवंडी समेत अन्य उत्पादन केंद्रों पर कपड़ों का उत्पादन बड़ी तेजी से होने लगा है। इकाइयों की उत्पादन क्षमता 60 से 65 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। पाइपलाइन खाली है और आगे चलकर कपड़ों की मांग अच्छी होने की संभावना के बीच वीवर्स महंगे भाव के कॉटन यार्न से कपड़ों का उत्पादन बढ़ाने लगे हैं, इससे कॉटन यार्न की खपत बढ़ रही है। बढ़े भाव पर यार्न के लेवाल मौजूद है, वीवर्स को डर इस बात है कि यदि कॉटन यार्न के भाव घटते हैं, तो कपड़ो को लेवाल नहीं मिलेंगे। सिंथेटिक यार्न मजबूत है और इस यार्न की मांग थोड़ी सुधरी है।

सिंथेटिक यार्न के भाव भी इतने अधिक नहीं बढ़े है कि कोई दिक्कत हो। बढ़े भाव को बाजार ने आसानी से पचा लिया है कारण कि सिंथेटिक कपड़ों की सीजन जुलाई से दिसम्बर के बीच की मानी जाती है। दरअसल समस्या कॉटन यार्न की मांग एवं आपूर्ति के बीच संतुलन बिगड़ने की है। कॉटन यार्न की मांग लगातार बढ़ रही है और उत्पादन कम हो रहा है। यदि संकट का कोई समाधान जल्दी नहीं निकला तो इस बात की आशंका व्यक्त की जा रही है कि कॉटन यार्न का उत्पादन घटकर 35 से 40 प्रतिशत हो जाए। रूई संकट से यार्न बनाने वाली मिलों के पास उत्पादन घटाने का ही विकल्प शेष बचा है।

टेक्सटाइल कंपनियों के शेयर्स में घटत-बढ़त

Courtesy by ProShareHub BEST PROFIT IN BLUE CHIP STOCKS

TEXTILE COMPANIES LIST

S.NO.	COMPANY	FACE VALUE	PRICE AS ON 14/07/2022	PRICE AS ON 27/08/2022	change in %
1	AARVEE DENIMS	10	18.2	27.5	51%
2	AK SPINTEX	10	51.4	62.5	22%
3	ALOK INDUSTRIES	1	21.2	19.9	-6%
4	ARVIND LTD.	10	86.6	99.4	15%
5	ASHIMA	10	13.5	13.8	2%
6	BANSWARA SYNTEX	10	218	239	10%
7	BOMBAY DYEING	2	95.6	102	7%
8	DAMODAR IND	5	47.8	52.6	10%
9	DCM	10	62.2	62.9	1%
10	DEEPAK SPINNERS	10	219	257	17%
11	DONEAR	2	49.4	54.2	10%
12	FILATEX INDIA	2	98	112	14%
13	GARWARE TECH FIBERS	10	3156	3319	5%
14	GINI SILK	10	44.8	38	-15%
15	GOKALDAS EXPORTS	5	306	365	19%
16	INDO RAMA SYNTHETICS	10	64.3	62.4	-3%
17	JCT	2.5	3.04	3.49	15%
18	KAMADGIRI FASHIONS	10	71.6	70	-2%
19	LUX INDUSTRIES	2	1829	1765	-3%
20	MAFATLAL	10	222	293	32%
21	MARAL OVERSEAS	10	68	66.8	-2%
22	MORARJEE TEX	7	18.8	20.9	11%
23	NAHAR SPINNING	5	301	354	18%
24	NITIN SPINNERS	10	201	211	5%
25	ORBIT EXPORTS	10	106	146	38%
26	RAJAPALAYAM MILLS	10	799	853	7%
27	RAYMOND	10	938	965	3%
28	REL CHEMOTEX	10	215	194	-10%
29	RSWM LTD.	10	367	421	15%
30	RUBY MILLS	5	374	567	52%
31	SANGAM	10	262	329	26%
32	SH. DINESH MILLS	10	700	698	0%
33	SHEELA FOAM	5	2605	2943	13%
34	SHEKHAWATI POLY YARN	1	0.55	0.95	73%
35	SIYARAM SILK	2	509	502	-1%
36	SUTLEJ	1	65.9	73.9	12%
37	TRIDENT LTD.	1	35.9	37	3%
38	VARDHMAN TEX	2	272	335	23%
39	WELSPUN	1	69.9	78	12%

RECOMMENDATION: SAMPRE NUTRITION @ 35.95 TGT 100 (REVISE TARGET 200 C.P 81)

TELEGRAM CHANNEL: https://t.me/prosharehub(FIND PROSHAREHUB ON TELEGRAM)

SIDDHESHWAR TEXTILE
MOB. 94130-57855

MONOGRAM YARN-Viscose Rayon

180/2 DYED	420
150/2 DYED	490
150/2 Dyed Export surplus	400
120/2 Dyed	550
Polyester Bright Yarn (dope dyed)	
150/2, Dark	180
150/2 color plus	165
150/2 bright catonic	170
100/2 light	190
100/2 catonic bright	190
Acrylic & Viscose spun	
2/40 100% golden	525
2/34 Golden pearl	550
2/40 100% grey	475
2/30 Viscose 100% grey	280
2/40 Viscose	310
Fancy Yarn	
Golden/silver -440 denier	405

BANSWARA SYNTEX LTD.
Contact: 94141 11656

1/20 KLKY	243
1/20 DYEDS 65/35 HT	263
2/30 NON TBL MELANGE 65/35	273
2/30 NON TBL FROSTEDS 65/35	271
2/30 AIR JET DYEDS 65/35	273
2/40 NON TBL Melange 65/35	313
2/40 AIR JET 65/35	281
2/50 NON TBL DYEDS 65/35	368
2/28 LYCRA DYEDS 62/34/4	373
2/38 LYCRA DYEDS 62/33/5	443
2/50 LYCRA DYEDS 61/33/6	518
1/14 LYCRA DYEDS 61/33/6	328
1/20 LYCRA DYEDS SPUNTEX 60/32/8	348
1/24 LYCRA DYEDS 60/33/7	352
1/30 DYEDS FANCY	273
2/40 PVT42/24/31TBL FROSED THRILL	255
2/42PVT 62/7/31 FANCY THRILL	280
2/40 PVT 45/24/31 FANCY THRILL	224
2/40 PT 69/31 THRILL	219

RATAN BARJATIYA SPINNING PVT. LTD.
BARJATIYA BROTHERS
INDENTING AGENT & DEALERS
All Type of Textiles Yarn, Swing Threads, Multi Fold Yarn & Fabrics
MILLS
- RELIANCE INDUSTRIES
- INDORAMA SYNTHETICS LTD.
- SURYA GROUP OF COMPANY HYDERABAD
- SWATI SPINNING MILLS
- PEE VEE TEXTILES
- ANKUR UDYOG LTD.
- Jagdamba Spinning Mills Ltd. Nepal
- Aruppukottai Shri Jayavilas Ltd.
- shri Karthikeya Spg. Weaving Mills Pvt. Ltd.
- Punjab Spin & Linters
- Garg Acrylics Ltd.
- Shri Meenakashi Mill Ltd.
- Kennigton Industries Pvt. Ltd.
- Sivanta Spuntex Pvt. Ltd
E-165, RIICO Indust. Area, Near RIICO Office, Pur Road, BHILWARA (Raj.)
Talefax: 01482-248144-45, Mobile: 94141-13144, 94141-11036
E-mail: barjatiya_brothers@yahoo.co.in, barjatiyabrothers2014@gmail.com

HIND SYNTEX LTD.
Contact: 94141 15916

2/15 PV TFO	185
2/30 TFO	200
15' PV	165
2/24 PV	235
2/30 POLYESTER TFO	175

P EE VEE TEXTILE, NAGPUR
Contact: 98290 46955

15PV	168

SURYALATA

15pv	168

GRASIM INDUSTRIES LTD.
Contact: 93521 45544

2/30 NTBL	280
2/40 DYED	320
2/50 DYED	380

VALSON INDUSTRIES LIMITED
(MOB. 9414028933)

(DYED YARN)

Denier	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	225.00	235.00
150/0 Roto Dyed	230.00	240.00
150/350 Cone Dyed	241.00	251.00
85/Weft Dyed	235.00	245.00
85/0 Roto Dyed	237.00	247.00
85/300 Dyed	253.00	263.00
85 Royal Roto Twist	260.00	270.00
80/108 Micro Royal	265.50	275.50
100/144/300 Micro Dyed	250.50	260.50
80/34/600 Dyed Yarn	270.00	280.00
75/450 Bright Dyed	261.00	271.00
80/72 Cotluck Royal Roto	274.00	284.00
80/72 Roto Cutluk Dyed	250.00	260.00
150/350 Bright Dyed	269.00	279.00

(GREY YARN)

80/0 White Yarn	144
80/Roto White Yarn	147
80/300 Grey Yarn	178
80 Royal Warp Rotto	180
80/72/2 FD Cotlook HIM	161
80/2/72/300 FD ROTO	194
80/72/2 Royal Warp Catonic	202
150/325 Twisted Grey	162
150/325 Dope Dyed Black	168
150/500 DOPE DYDE BLACK	176
155/2/250 TPM White Yarn	161
80/1000 White Yarn	204
150/350 Bright White Yarn	168
100/450 Bright White Yarn	179

(Fancy Yarn)

250 Galaxy	315.50
160 Tex Space Dyed Sober	NA
170/350 Br. Space Dyed Ellora	NA
170/350 Sundram	NA

Fairmont International, Mumbai
Contact: 9819122497

Linen/Viscose, Linen/Cotton Yarn
Linen/Modal Yarn, Blend 55/45
Counts 10s,16s, and 20s Ringframe
(Packing - 60kg bag, 40 cones of 1.5 kg Prices are Ex Solapur + GST)

Gimatex Industries Ltd.
Contact:9414110791

2/30 PV Black	280
2/40 PV Black	322
2/30PVBlackSlub	NIL
2/30 Gray	242
2/30 Gray Slub	274
2/40 Gray	294

BHILWARA TEXTILE DIRECTORY Available
Hard Copy Soft Copy
For Enquiry
96024 30777
8619337577

R.T.M.
Contact: 93140 32404

2/18	242
2/30	275
2/30 NTBL	272
2/40 NON TBL	325

BIRLA TEX. MILLS

2/30 NTBL	272
2/40 NTBL	317

C.T.M.
Contact: 94141 12130

2/30 NTBL	275
2/18 DYED	242
2/40 DYED	325
2/50 DYED	NA
2/30 FROSTED	275

ARHAM SPINNING MILLS
Contact: 9352933401

2/40 PC COMBED TFO	315
2/30 P/C 65/35 CW	355
2/40 PV 65/35	265
2/30 PV	208+GST

Nahar Recycled polyester yarn

1/15 Recycled Polyester	127+gst
1/12 Recycled Polyester	122+ gst
1/10 Recycled Polyester	120+gst
1/15 PV 65/35	
Autoconed Grey yarn	175 +gst

LKY Mills, AHMEDABAD
Contact : 098797 62474

10 psy slub	170
20 psy slub	180
15 psy	145
2/15 psy	155
1/40 acrylic grey	325
2/40 acrylic grey	335
1/40 dyed acrylic	380
2/40 dyed acrylic	400
1/12 psy	140
3/12 psy	150
10 open end	105
3/10 open end	145
2/14 open end	150
3/14 open end	150
16s open end	150
20 visc vortex	225
30 visc vortex	235
40 visc vortex	260
2/16 viscose	235
2/30 viscose	260
2/40 viscose	285
20s psy	160
30s psy	170
40s psy	190
40 ap dyed	200
2/16 acr dyed	200
2/40 acrylic dyed	250
30 poly vortex	180
40 poly vortex	200
stock lot /surplus	150

RAGHAV GROUP
Contact: 9414111402

TRIDENT LIMITED

1/10 OE	218
1/14 OE	245
1/16 OE	250
1/20 OE	275
30 KW	385
30 CW	400
2/40 CW ELLY	385
40 CW COMPACT	445
50 CW COMPACT	445
60 CW COMPACT	470

ANKUR UDYOG LIMITED

1/30 POLY 100%	225
1/20 POLY 100%	105
1/15 POLY 100%	200

SIDDHARTHA SUPER SPG. MILLS

2/15 P/V DYED Olive Green	255
2/18 P/V BLACK	195
2/30 P/V BLACK	265

LNJ DENIM

6 OE	200
7 OE	202
8 OE	210
10 OE	215
10 LYCRA	385
16 LYCRA	400
10 SLUB LYCRA	415

Prahlad Rai & Co. (Gorakhpur)
Contact: 099358 27000

ANKUR	
1/20PV	200
Janvi	
SPSY	152
TRIVENI	
2/30 PV	233
2/40 PVN	275
1/15 PV	180

POLYPICK THREADS P. LTD.
Contact: 9351524689

150/ 2 BRT	172
150/ 2 DOPE DYED LIGHT	185
150/2 DOPE DYDE DARK	200
150/ 2 COLOR PLUS	195
150/2 RAYON	575
180/2 RAYON	485
2/40 ACRYLIC	520
ZARI GOLDEN	380
ZARI SILVER	380

MODTEX TEXTURISER
Contact: 98292 50430

150/400 Cone DYED	197
2/30 Polyester Con Dyed	248
150/400 GREY	186
300 HIM Cone Dyed	185
450/ATY	190

VISAKA IND. LTD.
Contact: 93514 27900

2/30 100% Polyester Gray	200
2/30 65/35 BLACK	275
2/30 65/35 GRAY	225
2/40 65/35 BLACK	315
2/30 PV 65/35 Heavy Dark Dyed	280

RELIANCE CHEMOTEX IND. LTD.
Contact: 98290 45352

2/30 SOLID DYED	273
2/40 SOLID TFO	313
2/30 FROSTED	271
2/18 BLACK	250
2/40 Black	306
2/50 CV German	412

BARJATIYA BROTHERS
Contact: 9468604145, 9414113144

RB SPINNERS, SURYALATA, ANKUR UDYOG, JAGDAMBA SPINNING

100% poly grey yarn	
2/40 pv	210
2/30	170
2/24	165
2/20	160
2/15	155
Singal yarn poly	
40 poly.	175 to 180
30	153 to 156
24.	150. To 153
20.	145 to 147
15 poly.	135 to 140
10 poly.	131 to 134
8 poly.	131 to. 134
Black poly yarn	
2/40 poly black	235
2/30 poly black.	185
2/18 poly black	158
2/15 poly black	155
40 poly black.	200
30 poly black	155 to 165
15 poly black.	140 to 144
9 poly black.	130 to 132
Recyed poly grey yarn	
2/30.	160
2/20.	150
2/15.	145
30	145
20.	135
15.	130
10.	127
Magic poly yarn	
2/49.	200
2/45.	196
2/40.	190
Poly magic black	
2/49.	202
2/45.	197
2/40.	192
2/15 GRINDEL.	145
2/30 GRINDEL.	165

Shekhawati Poly- Yarn Ltd.
Contact: 9699360666

80/72/1 HIM FD RW	130
80/108 HIM SD RW	126
80/72 HIM SD RW	123
72/48 HIM SD RW	124
75/48 HIM SD RW	122
150/48 HIM SD RW	112
75/108 SIM SD RW	113
75/72 SIM SD RW	125
150/108 SIM SD RW	122
75/36 NIM SD RW	118
85/36 NIM SD RW	117
100/36 NIM SD RW	116
150/48 NIM SD RW	109
72/36/350 TPM SD RW	122
74/34/350 TPM SD RW	138
80/34/350 TPM SD RW	138
150/36/350 TPM SD RW	137
100/36/550 TPM SD RW	130
75/36/600 TPM SD RW	160
85/36/600 TPM SD RW	168

250 अरब डॉलर करने का लक्ष्य........

(पृष्ठ 12 का शेष)

उपयोग होने वाले कच्चे माल के आयात पर निर्भरता है। भारतीय टेक्सटाइल उद्योग की मजबूती का आधार प्राकृतिक फाईबर कॉटन है। भारत विश्व में कॉटन का सबसे बड़ा उत्पादक है लेकिन इसके उत्पादन और खपत के भी कोई सटीक विश्वसनीय आंकड़े उद्योग के पास मौजूद नहीं हैं। सरकार कई सालों से कहा रही है कि टेक्सटाइल उद्योग का आकार 250 अरब डॉलर हो सकता है लेकिन यह लक्ष्य किस प्रकार पूरा होगा, इस बारे में अभी तक कोई ठोस नीति नहीं है।

कपड़ा सचिव का कहना है कि इसके लिए वेल्यू एडेड उत्पाद फैब्रिक्स, मेडअप्स एवं होम टेक्सटाइल के निर्यात को बढ़ाना होगा क्योंकि बढ़ती घरेलू मांग को देखते हुए कच्चे माल कॉटन और यार्न का अधिक निर्यात संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएलआई स्कीम, मित्रा पार्क स्कीम और गति शक्ति स्कीम से इस सेक्टर में निवेश आकर्षित होगा। इसके लिए ढांचागत सुविधाओं में सुधार करना होगा तथा परिवहन की बाधाएं दूर करनी होंगी। उन्होंने कहा कि तकनीकी वस्त्र और प्राकृतिक फाइबर जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा और उच्च प्रौद्योगकी कपड़ा उद्योग के भविष्य के विकास के लिए सफलता का मंत्र है।

दरअसल 2021-22 के दौरान टेक्सटाइल, गारमेंट और हैंडलूम- हैंडीक्राफ्ट सब मिलाकर 44.4 प्रतिशत का निर्यात हुआ और इसमें उससे पूर्व वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी वृद्धि दर के आधार पर उपरोक्त 100 अरब डॉलर का निर्यात अनुमानित किया जा रहा है जबकि पिछले कई सालों से निर्यात इसी के आस-पास होता रहा है और इसमें कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान टेक्सटाइल सेक्टर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कोई खास नहीं हुआ। पीएलआई स्कीम के तहत निवेश बढ़ने की उम्मीद है। मेनमेड फाईबर सेगमेंट में विकास की संभावना जरूर दिख रही है लेकिन टेक्सटाइल सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है और उद्योग का मार्जिन दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है। ऐसे में लागत में कटौती सबसे बड़ी चुनौती है।

'भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन' की वार्षिक सभा सम्पन्न

देश के आर्थिक विकास में आ रही बाधाओं को तुरन्त निपटाया जायेगा–श्री मेघवाल

■ भीलवाड़ा- गोविन्द शर्मा

भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन की वार्षिक साधारण सभा 21 अगस्त 2022 को स्थानीय अग्रवाल भवन में सम्पन्न हुई। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल का अभिनंदन भी किया गया।

फेडरेशन के महासचिव श्री अतुल शर्मा ने सभी सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया एवं वर्ष 2021-22 में फेडरेशन की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया एवं कोषाध्यक्ष श्री मनोज मूंदड़ा ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। ग्रोथ सेंटर में निर्माणाधीन फेडरेशन के नव निर्माणरत बहुउद्देशीय भवन के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि श्री अर्जुन राम मेघवाल का स्वागत एवं अभिनंदन फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दामोदर अग्रवाल, श्री श्याम चांडक (पूर्व अध्यक्ष), श्री रामेश्वर लाल काबरा (संस्थापक सदस्य), श्री मुकुन सिंह राठौड़ (संस्थापक सदस्य),

श्री प्रेम स्वरूप गर्ग (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) ने दुपट्टा, शॉल एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। मेवाड़ चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री एस एन मोदानी, संगम ग्रुप के श्री वी.के. सोडाणी, यार्न वितरक श्री संजय पारीक, श्री जे के बागड़ोदिया, श्री आनंद जैन, विविंग सेक्टर से श्री राधेश्याम सोमानी, श्री मदन गोपाल कालरा, श्री गजानंद बजाज, प्रोसेसिंग सेक्टर से श्री बनवारी लाल मुरारका, डेनिम सेक्टर से श्री योगेश लढा, श्री शाबीर मोहम्मद, टेक्सटाइल मार्केट एजेंट्स एसोसिएशन की तरफ से श्री के. सी. प्रहलादका, श्री मुकुंद माहेश्वरी एवं गारमेण्ट सेक्टर से श्री सुनील मेहता ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

क्या कहा श्री मेघवाल ने- इस दौरान श्री मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का लक्ष्य भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का है। जिसके लिए इसके विकास में आ रही बाधाओं को त्वरित गति से निपटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के आर्थिक विकास में आ रही बाधाओं को दूर किया जायेगा। टेक्सटाइल क्षेत्र में बंद हो चुकी टफ स्कीम को भी जारी रखा जायेगा साथ ही पीएलआई स्कीम का भी वस्त्र उद्योग को लाभ मिलेगा। जिसके लिए टेक्सटाइल सचिव से बात की जा चुकी है। टेक्सटाइल पार्क के विषय पर श्री मेघवाल ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मेरा मानना है कि पार्क के लिए भीलवाड़ा हकदार है लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री ने इसका नाम क्यों नहीं भेजा इसके लिए वो निश्चित रूप से इस संदर्भ में बात करेंगे। इसके अलावा श्री मेघवाल ने स्वामी विवेकानन्द के जुड़े हुए कई तथ्यों का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने भारत का पुनः विश्व गुरू बनने का सपना देखा था और 21वी सदी भारत की होने की बात कही थी।

टेक्सटाइल मार्केट एसोसिएशन में न्यू क्लॉथ मार्केट के अध्यक्ष श्री गौतम जैन, डी ब्लॉक से श्री सतीश भदादा, मुरली टावर से श्री कांतिलाल जैन, अंबाजी टेक्सटाइल मार्केट से श्री कैलाश अग्रवाल एवं अन्य सभी मार्केट के अध्यक्ष एवं सचिवों ने स्वागत अभिनंदन किया। मेवाड़ चेम्बर की तरफ से श्री पी एम बेसवाल ने स्वागत किया।

टेक्सटाइल मजदूर संघ की तरफ से श्री पन्नालाल चौधरी अध्यक्ष, श्री बंसीलाल माली, श्री नंदलाल माली ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

रीको ग्रोथ सेंटर एसोसिएशन की तरफ से श्री जे पी गादिया, श्री रामप्रकाश काबरा एवं श्री गुरविंदर सिंह ने स्वागत अभिनंदन किया।

आभार श्री श्याम चांडक ने किया एवं मंच संचालन श्री अतुल शर्मा एवं श्री प्रेम स्वरूप गर्ग ने किया।

टेक्सटाइल निर्यातकों को अब स्टॉक का बोझ नहीं सहना पड़ेगा

'यस' ने की स्टॉक एप लॉन्च

■ पानीपत- महावीर गोयल

बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप, सोर्सविज ने पानीपत में टेक्सटाइल निर्यातकों के डिजिटल परिवर्तन के लिए यंग एंटरप्रेन्योर सोसाइटी-पानीपत चैप्टर (यस पानीपत) के साथ सहयोग की घोषणा की। इसके तहत दोनों ने मिलकर एप लांच की है। इसमें यस के निर्यातक सदस्य अपना किसी भी प्रकार का स्टाक जैसा कच्चा माल, तैयार माल, मशीनी स्टॉक एक दूसरे के साथ सांझा करेंगे। जिससे फैक्ट्री में रखे हुए स्टॉक की निकासी करने में मदद मिलेगी।

सोर्सविज के सीओओ सौरभ गोयल ने कार्यक्रम में कहा कि "हम यस के साथ मिलकर निर्यातकों की सेवाएं देंगे। पिछले कुछ महीनों में हमने 500 से अधिक निर्यातकों को अपने साथ जोड़ा है। इससे उन्हें अपने व्यापार में स्टॉक को बेचने में फायदा मिला है। अब पानीपत के टेक्सटाइल निर्यातक भी यस के माध्यम अपना स्टॉक बेच सकेंगे।

यस के अध्यक्ष श्री रमन छाबड़ा ने कहा हम एक्सपोर्ट इंडस्ट्री की बेहतरी के लिए प्रयास कर रहे हैं। इस सॉफ्टवेयर को लॉच करने का उद्देश्य अपना स्टॉक दूसरे निर्यातकों से सांझा कर क्लियर करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था में 150 सदस्य हैं। इस एप को प्रयोग करके हर एक्सपोर्टर को फायदा मिलेगा। स्टॉक समय पर क्लीयर होने से स्टॉक के खर्चे निर्यातक को सहन नहीं करने पड़ेंगे। जिससे निर्यातक की पूंजी नहीं फंसेगी और नहीं जगह ब्लाक होगी।

निर्यातकों ने कहा बेहतर योजना- ग्रोवर इंटरनेशनल के निर्यातक असीम ग्रोवर ने कहा यह इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ी जरूरत थी सभी एक्सपोर्टर्स के पास स्टॉक किसी न किसी आकार में पड़ा होता है। हेरिटेज ओवरसीज के मलिक वीरेंद्र जागलान कहा इस एप से सभी निर्यातक को लाभ मिलेगा।

क्राउन इंटरनेशनल के मलिक राहुल जैन ने कहा कई बार खरीददार द्वारा ऑर्डर कैंसिल कर दिए जाने पर आप अपना माल अपने ही कुछ दूसरे ग्राहकों को ऑफर करते हैं और उसको सेल करने में बहुत समय लगता है। इस एप के द्वारा हम अपना माल और कई एक्सपोर्टर्स के द्वारा भी सेल कर पाएंगे।

जॉब दरों में ऐतिहासिक तेजी का दौर जारी

श्राद्ध पक्ष बाद अच्छी डिमाण्ड निकलने की आशा

लगता है भीलवाड़ा वस्त्र उद्यमियों के अच्छे दिन लौट आये हैं। कोरोना काल की दो लहरों ने जहां बाजार को रौंद डाला वही तीसरी लहर की खबरों ने भी काफी शंकित किया लेकिन अब बाजार से कोरोना का डर पूरी तरफ समाप्त हो चुका है और व्यापारी पूरे जोश के साथ कामकाज में जुट चुके हैं। अब तो आलम यह है कि बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। जॉब दरों में तो ऐतिहासिक तेजी चल रही है। मार्केट विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान तेजी ने व्यापारियों के पिछले नुकसान की भरपाई कर दी है। डीएम, कॉटलुक, लाइक्रा के जबरदस्त जॉब चल रहे हैं। आगे यूनिफॉर्म का सीजन भी भरपूर है साथ ही त्यौहारी एवं वैवाहिक सीजन भी होने से बाजार बहुत अच्छा चलने के पूरे आसार है। साथ ही प्रदेश की यूनिफॉर्म बदले जाने से इस बार यूनिफॉर्म के उत्पादन में काफी जोर रहा, यही वजह रही कि जॉब पर्याप्त रहने से जॉब दरों में काफी उछाल देखा गया। सूत्रों के अनुसार श्राद्ध पक्ष से होलसेल स्तर की डिमाण्ड अच्छी निकलेगी ताकि नवरात्र से चलने पर मांग का समय पर पूरा किया जा सके।

'ओमकार फैब' द्वारा सियाराम की रिटेल कॉन्फ्रेन्स आयोजित

पूणे/ सियाराम सिल्क मिल्स के अग्रणी डीलर मैसर्स ओमकार फेब्र इण्डिया द्वारा 22-23 अगस्त 2022 को मेगा फैब्रिक डिस्प्ले का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ 'सियाराम' के प्रेसीडेण्ट मार्केटिंग श्री अशोक टोरका द्वारा किया गया। यह डिस्प्ले आगामी फेस्टिव सीजन को ध्यान में रखते हुए होटल रामी ग्राण्ड में आयोजित की गई जिसमें श्री प्रतापराय लुण्ड, श्री दिनेश जैन, श्री श्रीचन्द गलानी, श्री राजेन्द्र गर्ग, श्री अजीत जैन, श्री अमित दरदा, श्री मुकुन्द सारड़ा, श्री मयूर गलानी एवं श्री अशोक टोरका की उपस्थिति गरिमामयी रही।

दो दिवसीय यह कॉन्फ्रेन्स ब्लॉकबस्टर रही जिसमें 130 रिटेलर्स ने भाग लिया। इस दौरान टीआर फैब्रिक्स, लाइक्रा फैब्रिक्स को सभी रिटेलर्स द्वारा काफी सराहा गया। सभी प्रोडक्ट्स की कलर रेंज आकर्षण का केन्द्र रही। सभी रिटेलर्स ने आगामी सीजन को देखते हुए बहुत अच्छी बुकिंग करायी।

ओमकार फैब के श्री श्री संजय मून्दड़ा, श्री सुदर्शन मून्दड़ा, रिजनल सेल्स मैनेजर श्री रणजीत सिंह, एरिया सेल्स मैनेजर श्री अमित शर्मा, श्री यशवन्त गुर्जर, श्री सत्यम सिंह, सेल्स ऑफिसर श्री संतोष शर्मा, श्री मोहन देवरूकर, श्री संदीप मिश्रा एवं एजेण्ट श्री मनीष नागलिया सभी ने मिलकर कॉन्फ्रेन्स को सफल बनाया।

'नवसारी कॉटन मिल' की ऑल इण्डिया डीलर्स एवं रिटेलर्स कॉन्फ्रेन्स हुई उदयपुर में

मुम्बई/ वस्त्र उद्योग में किंग ऑफ कुर्ता फैब्रिक के नाम से प्रसिद्ध 'नवसारी कॉटन मिल्स' द्वारा आगामी वैवाहिक एवं दीपावली सीजन को देखते हुए गत दिनों उदयपुर में ऑल इण्डिया डीलरर्स एवं रिटेल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेन्स का शुभारंभ कंपनी के डायरेक्टर्स श्री सुभाष जैन, श्री शान्तिलाल जैन, श्री अशोक जैन ने सभी व्यापारियों की उपस्थिति में किया गया। सभी व्यापारियों ने कंपनी के नये डवलपमेण्ट की प्रशंसा करते हुए अच्छी बुकिंग करायी। बुकिंग के बाद सभी व्यापारियों को उदयपुर का भ्रमण भी करवाया गया जिससे भी व्यापारी काफी उत्साहित हुए।

अच्छी बारिश से माल तैयार करने में देरी : उपलब्ध स्टॉक में कामकाज

■ बालोतरा- एल.सी. पुनीत

मरूस्थल का भू-भाग हरितमा आच्छादित परिपूर्ण हो गया है। वातावरण सुहावना, मन सौंधी सुगन्ध परिपूर्ण हो गया है। बारीक वर्षा की बून्दों की फुंआर ने एक हिल स्टेशन-सा दृश्य उपस्थित कर दिया है। जब तक भगवान भास्कर अपने पूर्ण रूप में दृश्यमान नहीं हो जाते, तब तक औद्योगिक गतिविधियों पर विराम-सा ही लगा रहेगा। बाजार की हालत जो सोचनीय हो गई थी, उसमें अब चेतना का स्वर गुंजने लगा है। ऑफर आने का क्रम बना है, परन्तु स्टोर के अलावा की रंगाबेजी के लिये अभी तक उत्पादन प्रारम्भ करने के हालात नहीं बन सके हैं। लगता है अगले सप्ताह तक मौसम पूर्णरूप में आ जायेगा और उत्पादन प्रक्रिया के प्रारंभ होने के आसान बन सकेंगे। आकाश जब तक साफ नहीं हो जाता, तब तक नये माल तैयार होने की संभावना नहीं की जा सकती। फिलहाल पोपलीन का वही माल चालान हो सकता है जो स्टॉक में उपलब्ध है। उद्यमियों से चर्चा करने पर पता चलता है कि आज भी कई उद्यमी मंदी की मानसिकता से ऊपर नहीं आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि जिन हालातों में वर्तमान परिस्थितियों का सामना हो रहा है उससे उद्यमी त्रस्त है और मंदी हावी हुए बिना नहीं रहेगी। इसके विपरीत अधिकांश उत्पादक तेजी के पक्षधर है। उनके अनुसार रुई तेज है, यार्न का उत्पादन कम हो रहा है, वीवर माल घाटे में बेच रहे हैं। इसके साथ उत्पादक मण्डियों में माल नया निर्मित नहीं हो रहा है, ऐसी स्थिति में भावों में नया मोड़ आना निश्चित लगता है। वैसे व्यापार में रिस्क लेने वाला ही लाभार्जन कर पाता है। कुछ भी हो बाजार की टोन से जब ग्राहकी का स्वर तेज होगा, भावों में तेजी को रोका नहीं जा सकेगा।

बालोतरा अरबन का-ऑपरेटिव बैंक की 22वीं वार्षिक आम सभा उपलब्धियों भरी सम्पन्न हुई। सभी में अध्यक्ष श्री शान्तिलाल बालड़ ने अब तक के कार्यों का नवीन सुविधाओं से सदस्यों को अवगत कराया। बालड़ के कार्यों से प्रभावित लोगों ने उनका अभिनन्दन किया।

TRUE VALUE Superfine Shirting & Suiting की रिटेल कॉन्फ्रेन्स रही सफल

मुम्बई/ वस्त्र उद्योग में प्रसिद्ध कंपनी 'कामगगिरी फैशन लि.' द्वारा 14 से 17 अगस्त 2022 को राजस्थान के सुप्रसिद्ध पर्यटक स्थल रणथंभौर में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया। सवाई बाग रिसोर्ट में आयोजित इस कॉन्फ्रेन्स में राजस्थान , मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश आदि के डीलर्स एवं रिटेलर्स ने भाग लिया।

कंपनी के एजेण्ट श्री संजय तुलस्यान ने बताया कि आगामी त्यौहारी एवं लग्न सीजन को देखते टू वेल्यू, टू लिनन, हॉवर्ड रॉक, ग्रीटिंग्स जीएफक्यू इत्यादि ब्राण्ड्स की सम्पूर्ण रेंज का भव्य फैब्रिक डिस्प्ले किया गया। मिल ने नए डेवलपमेंट्स में फैंसी सूटिंग्स, टीआर सूटिंग्स, 100 प्रतिशत कॉटन सूटिंग व शर्टिंग, पीसी शर्टिंग, प्रीमियम लिनन शर्टिंग व सूटिंग्स, जेकार्ड, डिजिटल प्रिंट शर्टिंग की भरपूर रेंज कॉन्फ्रेन्स में पेश की गयी। उन्होंने कहा कि टू वेल्यू हमेशा से ही अपने नए-नए डवलपमेण्ट के लिए विख्यात है।

कंपनी में रिटेलर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं आगामी सीजन की डिमाण्ड के अनुरूप अच्छी बुकिंग करायी। तत्पश्चात् कंपनी द्वारा सभी व्यापारियों को प्राकृतिक वादियों एवं जंगल सफारी का भ्रमण करवाया गया।

'नन्दकिशोर मनुराज' ने आयोजित की 'सियाराम' की कॉन्फ्रेन्स

पूणे/ स्थानीय कपड़ा बाजार की प्रमुख होलसेल इकाई 'मैसर्स नन्दकिशोर मनुराज' द्वारा 17-18 अगस्त 2022 को होटल रामी ग्राण्ड होटल एण्ड स्पा में भव्य रिटेल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया।

डीलर श्री श्री मनीष भाटिया ने बताया कि आगामी दीपावली व वैवाहिक सीजन को ध्यान में रखते हुए इस कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया गया जिसमें सूटिंग-शर्टिंग एवं एथेनिक सभी प्रकार की रेंज का भव्य प्रदर्शन हुआ। सियाराम की तरफ से लगाये गये फैब्रिक डिस्प्ले में टर्किश कलेक्शन 'रोजेट्टी' एवं टीआर रेंज को बहुत शानदार रिस्पोंस मिला। सभी प्रोडक्ट्स की कलर रेंज आकर्षण का केन्द्र रही। सभी रिटेलर्स ने आगामी सीजन को देखते हुए बहुत अच्छी बुकिंग करायी।

कॉन्फ्रेन्स के दौरान मैसर्स नन्द किशोर मनुराज के श्री हनीश भाटिया, श्री पंकज भाटिया, श्री नमन भाटिया, श्री मनीष भाटिया, सियाराम सिल्क मिल्स के रिजनल मैनेजर श्री रणजीत सिंह, एरिया मैनेजर श्री अमित शर्मा, श्री संदीप मिश्रा, श्री मोहन देवरूकर एवं श्री एजेण्ट श्री मनीष नागलिया उपस्थित थे।

सूत बाजार में घट–बढ़ से व्यापारी और विवर परेशान

■ मालेगांव- पूरण मरदा

अगस्त माह बरसात और बाढ़ के मौसम में पूरा हो रहा है। पावरलूम मण्डियों में बढ़ते-घटते भावों का दौर जारी है। इसमें कपड़ा का व्यापार काफी नुकसानदायक हो गया है। खासतौर से बुनकर को ज्यादा तकलिफों का सामना करना पड़ रहा है। पहली बात सूती धागे के बढ़ते घटते भाव, कपड़ा में पड़ता नहीं होना, कपड़ा में व्यवसाय खासतौर पर पोपलीन में कमजोर होना। ये सारा गणित कमोडिटी (डिब्बा) में कपास के बढ़ते घटते भावों के कारण हो रहा है। ना तो व्यापारी और ना ही विवर निर्णय ले पा रहा है। इसमें व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सूती धागे में 15 दिनों में लम्बी चौड़ी घट-बढ़ हुई है। इसमें पोपलीन और केम्ब्रिक के भावों पर भी असर हो रहा है। रोटो में अगस्त माह में चार रूपया कम हुआ है और पीसी में दो सप्ताह में 5 रूपया किलो तक बढ़ा है। लम्बे समय से कपड़ा बाजार साथ नहीं देने से विवर की मुश्किल बढ़ी है। फिलहाल पीसी का कपड़ा अच्छा चल रहा है और सूती धागा चलाने वाले काफी विवर पीसी चलाने लगे हैं। रोटो में 7/8 दिन में एक बार कपड़ा अच्छा बिक जाता है।

सूत बाजार- कमोडिटी में बढ़ते कपास के भावों का असर सूती धागा पर दिखाई देता है। 15 दिनों में 20 से 25 रूपया किलो बढ़कर 5 रूपया किलो तक भाव बोले जा रहे हैं। सूत व्यवसायी अमोल तापड़िया ने बताया कि नीचे भावों का दौर अब समाप्त हो गया है। बढ़ते भावों में व्यापार लम्बा हो जाता है। रोटो में एक महिने में चार रूपया किलो कम होकर रूपया किलो बढ़ाकर बोल रहे हैं। पीसी में 5 रूपया किलो तक भाव बढ़े हैं। रोटो और पीसी में कपड़ा बिकने से व्यापार अच्छा हो रहा है।

कपड़ा बाजार- कपड़ा बाजार पूरी तरह से सूत बाजार पर निर्भर रहने लगा है और सूत बाजार कमोडिटी पर कपास के भावों पर निर्भर रहता है। लम्बी चौड़ी घट-बढ़ और कपड़े में पड़ता नहीं होने से विवर की दिक्कत बढ़ती जाती है। पोपलीन में पड़ता न होना तथा व्यापार कमजोर होने में विवर पीसी की और गये है। केम्ब्रिक में 56%52 को जोर रहता है। 15 दिनों में 1250 मीटर बढ़कर 20 पैसा फिर कम हुई है पोसी में पड़ता भी है और व्यापार भी ठीक है रोटो में पाली, बालोतरा और सूरत दोनों लाइन में व्यापार ठीक है। दलाल श्री कैलाश बाहेती ने बताया कि पर्यूषण के बाद गणपति बप्पा मौरया और उसके बाद श्राद्धपक्ष आने वाला है। आगे व्यापार अच्छा ही रहना चाहिए। साधारण घट बढ़ तो चलती रहती है। लम्बी चौड़ी घट बढ़ से सबको नुकसान हो रहा है। ट्रेडर्स तो व्यापार कम कर लेता है। विवर को उत्पादन जारी रखना पड़ता है।

तेजी-मंदी के दौर से पावरलूमधारक चिंतित

■ पिलखुवा- विनम्र प्रताप

आलोच्य सप्ताह में धागे के भावों में जोरदार तेजी का रख बना हुआ है। मिले कोर्स व फाईन काउण्ट के धागों के भाव बढ़ाकर बिकवाल है। धागे में बढ़ती सट्टा प्रवत्ति को लेकर कपडा उत्पादक सबसे ज्यादा चिंतित है। तेजी-मंदी होने के कारण कपड़ा मिलों में कपड़े का उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

पिछले एक पखवाडे से सूत में मंदा होने के बाद पहले से भी ज्यादा तेज गति से मिल वाले कोम्बर की तेजी को आड लेकर धागे के भाव बढ़ाकर बोल रहे हैं। मिलों का बढ़े हुए भावों में धागा बिक रहा है। अभी दीपावली तक ऐसे ही बाजारों के चलने की प्रबल सम्भावना है।

व्यापारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार धागा मिलों एक पखवाड़े तक भाव घटाकर धगा बिकवाल थी सूत में जिसे तेज गति से धागे के भाव बढ़े थे उसी गति से गिरने के साथ ही देशभर की कपड़ा मंडियों में कामकाजों को जोर का झटका लगा। सूत में तेजी का दौर आरम्भ हो गया है। धागे के भाव धीरे-धीरे ही घटे थे। अब धागे के भावों में काफी तेजी आ चुकी है। कपड़ा बनाने वाले धागे की तेजी को लेकर पावरलूम मालिक काफी चिंतित है।

व्यापारिक सूत्रों का कहना है कि पिलखुवा मंडी में कपड़े के आॅर्डरों में कानपुर व दिल्ली मंडी से कच्चे की कैनवास की बारह किलो की क्वालिटी के जोरदार आॅर्डर है। सूत में मंदा आते ही कपड़ा उत्पादकों ने इन आॅर्डरो को पकड़ लिया था। छोटे-छोटे कपड़ा उत्पादकों ने कपड़ा तो बेच दिया लेकिन धागा नहीं खरीदा। बाजारों में अचानक तेजी के साथ ही कपड़ा उत्पादकों को सूत की तेजी के चलते ही नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

कपड़ा उत्पादकों का कहना है सूत में तेजी-मंदी का यही क्रम चलता रहा तो छोटे कपड़ा उत्पादकों के सामने मशीनों को चलाना कठिन चुनौती होगा। कपड़ा उत्पादक श्री हरीश कुमार का कहना है कि धागे में तेजी-मंदी की प्रवत्ति पर अंकुश लगाने के लिये केन्द्रीय कपड़ा मंत्रालय को कदम उठाने होंगे अन्यथा तो छोटी इकाइयां जो कि श्रमिकों को रोजगार भी दे रही जोकि बंदी के कगार पर आ जायेगी।

चादर का उत्पादन करने वाले श्री संजीव गोयल का कहना है धागे में तेजी ने इस चादर उद्योग को इस कदर तोड़ दिया धागे की तेजी ने तैयार मालों की लागत बढ़ गयी है।

बाजारे में तैयार मालों की बिक्री तेजी के चलते ही प्रभावित हो रही है। अगर धागे में तेज नहीं रूकी ते इस साल कारोबारियों को तैयार मालों की बिक्री को लेकर नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

कपड़ा कारोबारियों का मानना है कि जब धागे में मंदा नहीं आता तब-तक बढ़िया बिक्री चलने की आशा कम ही दिखायी पड़ती है।

ARZILO MODA एवं ESTRADA द्वारा 'ऑल इण्डिया डीलर कॉन्फ्रेस'

मुम्बई/ किंग ऑफ कुर्ता फैब्रिक के नाम से विख्यात 'नवसारी कॉटन मिल' के ब्राण्ड 'आरजीलो मोडा एवं इस्ट्रडा द्वारा 29-30 जुलाई को पहली 'ऑल इण्डिया होलसेल कॉन्फ्रेन्स' का आयोजन गोवा के होटल केण्डोलिम में किया गया। जिसमें यूपी, राजस्थान, दिल्ली, एमपी, पंजाब, महाराष्ट्र, साउथ सहित सभी राज्यों के डीलर ने भाग लिया।

कंपनी के डायरेक्टर श्री हेमल शाह ने बताया कि इस दौरान भव्य फैब्रिक डिस्प्ले लगाया गया रेग्युलर नये आइटम के साथ-साथ एथेनिक फैब्रिक, एम्ब्रॉयडरी जेकार्ड फैब्रिक, टीआर सूटिंग एवं वेल्वेट फैब्रिक का डिस्प्ले किया गया। सभी व्यापारियों को नये डवलपमेण्ट काफी पसंद आये और उन्होंने आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए बहुत अच्छी बुकिंग करायी।

श्री शाह ने बताया कि इस दौरान टॉप 3 डीलर्स को अवॉर्ड दिये गये एवं साथ ही कॉन्फ्रेन्स में सर्वाधिक बुकिंग कराने वाले टॉप 3 डीलर्स को भी अवॉर्ड दिये गये।

कपड़ों में कारोबार अभी मंदा : सूटिंग के भाव बढ़े तो शर्टिंग में निकली मांग

कॉटन यार्न की तेजी से ग्रे सूती कपड़ों में सुधार

■ मुंबई कपड़ा- मिरर ब्यूरो

स्थानीय कपड़ा बाजार में ग्राहकी में रूकावट का कारण लगातार हो रही बारिश है, लेकिन कपड़ों का उत्पादन बढ़ रहा है, निर्यात कामकाज अच्छा है। चीन से कपड़ों का आयात चालू है, इंडोनेशिया से आयात आधिक हो रहा है। आयातित कपड़ों की बिकवाली भी बढ़ी है। सिंथेटिक यार्न और प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ने के बाद सूटिंग की दरों में प्रति मीटर आठ से दस रूपए की वृद्धि हुई है, तो अच्छी रूई की भारी कमी के चलते भाव फिर बढ़ने शुरू हो गए हैं, जिससे कॉटन यार्न में आई मजबूती के कारण सूती ग्रे कपड़ों में उछाल आने लगा है, किंतु बढ़े भाव पर बाजार में ग्रे कपड़ों में कामकाज नहीं हो रहा है। कॉटन यार्न और तैयार कपड़ों का निर्यात ऑर्डर अपेक्षा से कम रहा है। कपड़ा उत्पादकों का जोर आगे की सीजन पर है। इस बार मुंबई समेत अन्य हिस्सों में कपड़ों और गारमेण्ट के जितने फेयर आयोजित किए गए थे, उनमें नई वैराइटी की भरमार होने से अच्छा कामकाज होने की रिपोर्ट के साथ मिलों के आयोजित कॉन्फ्रेन्स को मिले जबरदस्त समर्थन से ऐसा लग रहा है कि कपड़ों में बहुत जल्दी ग्राहकी करवट बदलेगी। इतना ही नहीं रक्षाबंधन का त्योहार बीत जाने के बाद से ही बाजारों में ग्राहकी चलने की रूपरेखा बनती हुई स्पष्ट दिखाई दी, लेकिन अनवरत हो रही बारिश से थोड़ी रूकावट आई है। ज्यादातर व्यापारियों का मानना है कि इस बार त्याहारों एवं सीजन की ग्राहकी बाजारों में पिछले वर्ष की तुलना में अच्छी रहने का अनुमान है।

आगामी त्योहारों एवं वैवाहिक सीजन में कपड़ों के कारोबार से जुड़े लोगों में अच्छे कारोबार होने की उम्मीद बढ़ी है। कारोबारियों में उत्साह बढ़ा है। क्योंकि इस बार देश में कोरोना के मामले कम होने से उत्सवों को मनाने की छूट है जिससे बाजार में रौनक बढ़ रही है, जबकि पिछले वर्ष बाजारों में कई तरह की पाबंदियां लागाई गई थी। पूजा, दशहरा तथा दीपावली जैसे बड़े त्योहारों में कपड़ों में कारोबार सुधरने की संभावनाएं हमेशा से अच्छी रही है। इस बार तो दीपावली का त्योहार जल्दी आ रहा है, इस कारण अब बाजारों में जो ग्राहकी निकलेगी, वह जोरदार होगी। पूर्व बिके मालों की पुरानी उधारी की समस्या सुधर जाए तो बाजारों में आर्थिक संकट का रोना बंद हो सकता है।

सिंथेटिक यार्न मजबूत है। परंतु इनका भाव बहुत अधिक नहीं बढ़ा है, तथापि सिंथेटिक कपड़ों पर इसका दिखाई दे रहा है। जुलाई से दिसम्बर तक सिंथेटिक कपड़ों की सीजन मानी जाती है। इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर में सुधार करने में हो रही देरी से धंधे की कार्यशील पूंजी बड़े स्तर पर ब्लॉक होती जा रही है और स्फीतिजन्य दबाव बन रहा है अलग से। इसके अलावा सिंथेटिक टेक्सटाइल का आयात भी बढ़ रहा है, जिसका बुरा असर स्थानीय कपड़ा उत्पादकों पर पड़ता है। जीएसटी कौंसिल की सितम्बर महीने में तमिलनाडु में होने जा रही आगामी बैठक में इस बारे में कोई निर्णय लिया जाता है कि नहीं यह एक यक्ष प्रश्न हो गया है। इस पर निर्णय कपड़ा उद्योग के हित में है।

कपड़ा उद्योग को लेकर एक दूसरी उलझन 1 अक्टूबर से 10 करोड़ रूपये से अधिक टर्नओवर वालों को ई-इन्वॉइसिंग की ट्रांसपोर्ट में जरूरत होगी। इस ई-वे बिल से लघु एवं मध्यम दर्जे की इकाइयों को कोई तकलीफ नहीं होगी, लेकिन बड़ी इकाइयों की उलझनें जरूर बढ़ सकती है। सूटिंग आठ से दस रूपये प्रति मीटर महंगी हो चुकी है, मिलों के माल में मांग है, आयातित सूटिंग और शर्टिंग दोनों में कारोबार अच्छा होने लगा है। देसी शर्टिंग में बड़ा पना अर्थात् 58 इंच अधिक चल रहा है। इसमें 100 मीटर का रोल आने लगा है, जो गारमेण्ट इकाइयों के लिए अधिक अनुकूल माना जा रहा है। कॉम्बो पैक में इन दिनों मांग कमजोर है, लेकिन दीपावली पर इसकी मांग बढ़ने का अनुमान है।

वैश्विक मोर्चे पर भारतीय टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए इस बार अच्छा कारोबार करने का मौका है। भारत और वियतनाम जैसे देश चीन के टेक्सटाइल निर्यात बाजार में सेंध लगा रहे हैं। जबकि चीन इस बाजार में 35 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ दुनिया का एक सबसे बड़ा निर्यातक माना जाता है। लेकिन कुछ समय से कच्चे माल की कीमतें बढ़ने, कोरोना को लेकर चीन की जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण सख्त लॉकडाउन और शिनच्यांग के कपास की अमेरिकी बहिष्कार के ऐलान के कारण चीनी टेक्सटाइल कंपनियों का एक्सपोर्ट घटता जा रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जून 22 में चीन की कुछ कंपनियों के एक्सपोर्ट ऑर्डर में 30 प्रतिशत की कमी आई है।

अमेरिका ने जैसे चीन के कपास का बहिष्कार किया है, अगर अन्य देश भी ऐसा कदम उठाते हैं, तो चीन के टेक्सटाइल सेक्टर की हालत और खराब हो सकती है। चीन में पिछले वर्षों में लेबर कॉस्ट बढ़ी है, इससे वहां की कंपनियों की एक्सपोर्ट मार्केट में मुश्किलें बढ़ रही है, जिसका भरपूर फायदा वियतनाम और बांग्लादेश के निर्यातकों ने उठाया है। भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता कर रहा है। संयुक्त अरब अमिरात के साथ इस तरह का जो समझौता किया गया उससे भारतीय निर्यातकों के लिए आयात शुल्क घट गया है। इससे वहां के एपेरल मार्केट में भारत की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यूरोपीय संघ, कनाडा और इजराइल के साथ बातचीत चल रही है।

ध्यान देने की बात है कि वैश्विक टेक्सटाल मार्केट में भारत का हिस्सा 6 प्रतिशत है। अभी 44 अरब डॉलर का यहां निर्यात किया जाता है। जिसे सरकार ने 2030 तक 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। चीन के हाथ से जो बाजार निकल रहा है, भारत उसे हथिया सकता है। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं होगा। कई देश ऊंची महंगाई दरें और मांग की कमी से जूझ रहे है। इसे ध्यान में रखते हुए टेक्सटाइल निर्यात की प्लानिंग करनी होगी। उन देशों पर विशेष ध्यान देना होगा जहां मांग में कमी नहीं है। इसके अलावा भारतीय टेक्सटाइल कंपनियों को विदेशी बाजारों में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए सस्ते निर्यातकों से मुकाबला करने की क्षमताएं भी विकसित करनी होगी।

दो साल बाद निकली स्कूली ड्रेस की मांग, भावों में तेजी

■ पानीपत- महावीर गोयल

सर्दी की स्कूली ड्रेस तैयार करने में जुटे कारोबारी

कोविड के दो साल तक स्कूली ड्रेस का कारोबार करने वाले व्यवसायियों ने मंदी की मार झेलनी पड़ी। इस वर्ष स्कूली ड्रेस की बंपर डिमांड निकली है। अच्छी मांग निकलने से ड्रेस कारोबारी उत्साहित हैं, लेकिन बेतहाशा भाव वृद्धि होने से परेशानी बनी हुई है। 40 प्रतिशत तक स्कूली ड्रेस में लगने वाले कपड़े के दाम बढ़े हैं। जिस कारण कारोबारियों की पूंजी लागत बढ़ गई है।

100 रुपये मीटर में जो कपड़ा मिलता था वर्तमान में उसका भाव 165 से 170 रुपये मीटर तक पहुंच चुका है। टी-शर्ट बनाने का जो कपड़ा 330 रुपये किलो मिलता था उसका भाव 450 रुपये किलो तक पहुंच चुका है। छह माह में यह तेजी दर्ज की गई है।

पानीपत में हर वर्ष 40-50 करोड़ का स्कूली ड्रेस का कारोबार होता है। इससे सरकार को पांच प्रतिशत जीएसटी से राजस्व मिलता है। स्कूल खुलने के साथ ही अप्रैल से ही ड्रेस की मांग चल रही है। वर्तमान में स्कूली ड्रेस का कारोबार करने वाले दुकानदार सर्दी की ड्रेस तैयार करने में जुटे हैं। सर्दियों में स्वेटर, जर्सी, ब्लेजर, फुल साइज शर्ट, पैंट, जैकेट की मांग निकलती है।

पानीपत में इन शहरों से आता है कपड़ा- पानीपत में हौजरी का कपड़ा लुधियाना से आता है। सूटिंग का कपड़ा भीलवाड़ा, व्हाइट शर्ट का कपड़ा अहमदाबाद तथा चैक्स शर्ट का कपड़ा भिवंडी, मुंबई से आता है।

वर्तमान में लुधियाना के हौजरी के कपड़े में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भीलवाड़ा से आने वाले सूटिंग के कपड़ा 100 रुपये मीटर से बढ़कर 165-170 हो चुका है। हौजरी के कपड़े का भाव 330 से बढ़कर 450 रुपये किलो ग्राम तक पहुंच चुका है।

स्कूल यूनिफॉर्म- टी-शर्ट, ब्लेजर जैकेट बनाने वाले आनन्द एंटरप्राइजेज इंद्रा बाजार के दुकानदार राजू चांवला, नमन चांवला ने बताया कि कारोबार तो चला है, लेकिन महंगाई अधिक है। भाव बढ़ने से लागत भी बढ़ती जा रही है। कपड़े के दाम अधिक तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि स्कूली ड्रेस अन्य जिलों में पानीपत से आपूर्ति दी जाती है। यार्न के दाम बढ़ने से कपड़े के दाम बढ़े हैं।

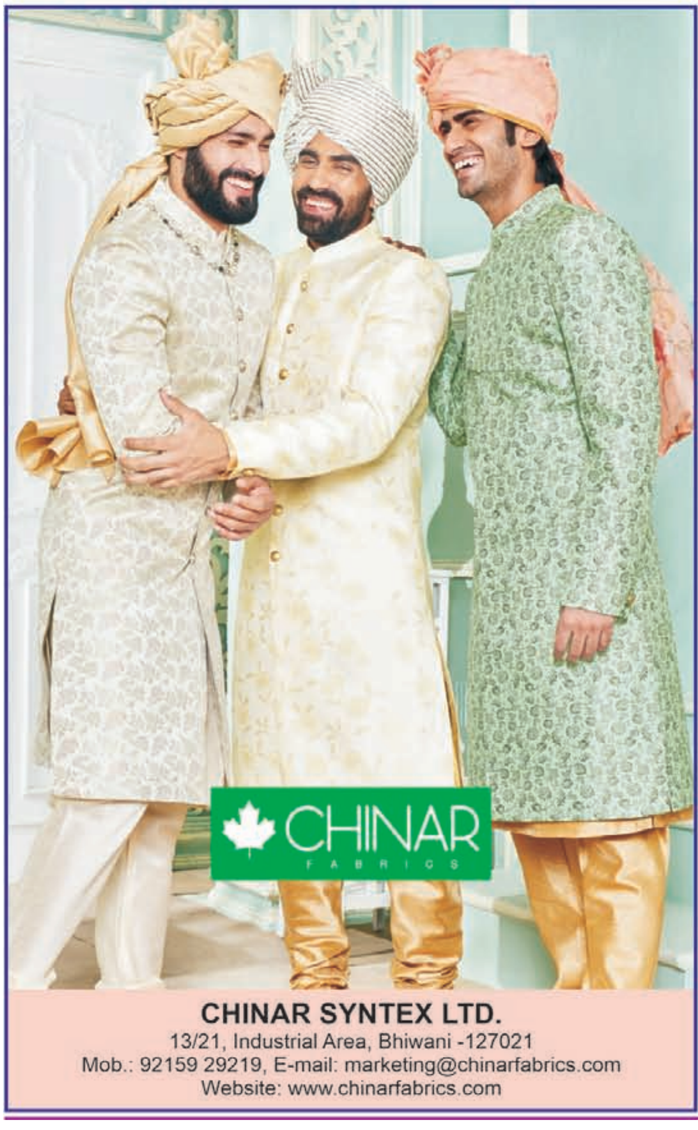

नई आवक से ही भाव कम होने का अनुमान

■ मुंबई रूई- मिरर ब्यूरो

रूई में बेधड़क तेजी

हाजिर बाजार में रूई की भारी कमी के कारण धीरे-धीरे भाव उस मंजिल की ओर बढ़ने लगे हैं, जो ऐतिहासिक रहा है। पिछले महीने में संकर रूई का भाव घटकर 85 हजार रूपये तक पहुंच गया था, जो अब बढ़कर 97 हजार रूपये हो गया है। एक महीने में करीब 13 हजार रूपये की तेजी आ चुकी है। देश में कपास की खेती बढ़ी है, नई पैदावार बाजार में कब आएगी इसे लेकर कोई सटीक संकेत नहीं मिल रहा है। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि जब तक नई सीजन का माल बाजारों में नहीं आ जाता है, तब तक रूई के भाव में गिरावट की कोई संभावना नहीं है। एक समय ऐसा भी आया था कि आयात किए जाने की खबर से रूई के भाव में गिरावट का दौर शुरू हो गया था।

परंतु रूई आयात का सौदा 18 से 20 लाख गांठ होने का अनुमान है और आयात का माल देश में आने लगा है, भले ही आने की गति धीमी है, फिर भी रूई के भाव बढ़ रहे हैं। जबकि ऐसा कहा जा रहा है कि यह आयात सौदा तेजी के समय में 1.05 लाख गांठ के हिसाब से हुए थे और उसके बाद घरेलू बाजार में रूई के भाव मंद होने शुरू हो गए तब आयातकों के लिए यह सौदा बहुत महंगा साबित हो रहा था तथा घरेलू और अयातित रूई के बीच भाव का अंतर बढ़ता ही जा रहा था। लेकिन अब देश में रूई के भाव बढ़ने और आयातित रूई का स्टॉक उपलब्ध होने पर भी स्पिनिंग मिलों को यार्न का उत्पादन करने के लिए अच्छी रूई की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।

बाजार में रूई की आपूर्ति कम है। रोज की आवक 12 से 15 हजार गांठ के बीच बताई जा रही है। यही कारण है कि गुजरात संकर रूई का भाव इन दिनों 96 से 97 हजार रूपये के बीच चल रहा है। लंबे रेशे की अच्छी रूई का ऑफर भाव एकाध लाख रूपये तक पहुंच रहा है। कपास की नई आवक शुरू हो तो सीजन में एक समय प्रति खंडी भाव 55 से 60 हजार रूपये प्रति खंडी पहुंचने तथा इससे कम भाव नहीं होने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बीच वायदा बाजार में जो सौदे हुए उनके भाव कम रहे है। नवम्बर डिलीवरी का सौदा 75 से 76 हजार रूपये के आस-पास होने की रिपोर्ट है। अभी तो वायदा में भी सौदा ठप हो गए हैं क्यों बंद हुए इस बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल रही है।

किसानों का मत है कि देश में कपास की बुवाई अच्छी हुई है, फसल को नियमित बारिश और धूप भी मिल रही है, किंतु कुछ स्थानों पर अधिक बारिश एवं कम बारिश के साथ कीड़ा लगने से फसल को नुकसान होने का खतरा बढ़ा है, तथापि देश में कपास उत्पादन अच्छा होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट के अनुसार वायदा बाजार में सौदों में भारी कमी आई है। रूई के ऊंचे भाव के कारण मांग और मार्जिन कम होना भी एक कारण माना जा रहा है। अगस्त में 25 हजार गांठ के सौदे हुए तो अक्टूबर एवं नवम्बर दोनों में यह वायदा कारोबार 10 हजार गांठ रहा है। भारत में रूई की पैदावार को देखते हुए ये सौदे काफी कम है। नई मौसम शुरू होने पर ही भाव कम होने का अनुमान है।

कॉटन की नई फसल का भाव .... (पृष्ठ 1 का शेष)

फसल का श्रीगणेश हो चुका है और भाव लगभग 8500/10000 रुपए प्रति क्विंटल रहा जबकि पिछले सीजन में नई फसल का भाव 5000 रुपए प्रति क्विंटल खुला था। गुजरात में नई कॉटन 11000/12600 रुपए प्रति क्विंटल बिकी है।

सितम्बर 2022 को समाप्त हो रहे वर्तमान सीजन के दौरान कॉटन के भाव कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ते हुए नई ऊंचाई पर पहुंच गए थे। विगत कुछ माह के दौरान भाव घटे थे लेकिन वापस तेजी से बढ़ गए हैं।

कॉटन की तेजी की वजह से यार्न मिलें परेशान हैं और उन्हें उत्पादन में कटौती करनी पड़ रही है क्योंकि उनकी पड़तल नहीं है। घरेलू एवं निर्यात मांग कम होने की वजह से फैब्रिक्स मिलें एवं गारमेण्ट इकाइयों को भी पड़तल नहीं है इसलिए उन्होंने भी उत्पादन घटा रखा है। ऐसे में पूरी मूल्य श्रंखला प्रभावित है।

विश्वनीय आंकड़ों का अभाव- भारत विश्व में कॉटन का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और देश के टेक्सटाइल उद्योग की मजबूती का सबसे बड़ा आधार भी यही है फिर भी देश में कॉटन के उत्पादन, स्टॉक एवं खपत के कोई विश्वसनीय आंकड़ें मौजूद नहीं है जिसका खामियाजा टेक्सटाइल उद्योग की पूरी मूल्य श्रंखला को भुगतना पड़ रहा है। सटीक आंकड़े नहीं होने से कॉटन के भाव में सट्टेबाजी चलती रहती है। कुल निर्यात में कॉटन टेक्सटाइल उत्पादों की हिस्सेदारी लगभग 60/65 प्रतिशत है।

प्रतिकूल मौसम की वजह से कॉटन का वैश्विक उत्पादन कम होने का अनुमान है। देश में भारी वर्षा एवं कीड़ा लगने की वजह से फसल को नुकसान का अनुमान है। चीन, अमेरिका और ब्राजील में भी कॉटन की फसल कम है।